आषाढ़ कृष्ण पक्ष एकादमी संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक-354 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
21 जून 2025 शनिवार

आज का मौसम
29 अधिकतम
26 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

योग दिवस पर देशभर में कई कार्यक्रम ,पीएम ने आंध्र व सीएम यादव ने अटल पथ पर किया योग

तनाव व अशांति से गुजर रही दुनिया के लिए योग पॉज बटन जैसा : मोदी

नई दिल्ली/भोपाल, दोपहर मेट्रो/एजेंसी

आज विश्व योग दिवस पर देशभर में योग के कार्यक्रम हो रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आंध्रप्रदेश के सीएम व डिप्टीसीएम के साथ योग किया और कहा कि योग का मतलब होता है- जोड़ना। और ये देखना सुखद है कि कैसे योग ने पूरी दुनिया को जोड़ा है। मोदी ने कहा कि आज जब दुनिया में अशांति, तनाव और अस्थिरता बढ़ रही है, तो योग शांति की दिशा दिखाता है। यह पॉज बटन जैसा है। मोदी ने विशाखापट्टनम में 3 लाख लोगों और 40 देशों के राजनयिक के साथ योग किया। इस बार की योग की थीम 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' है।

इधर मप्र के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भोपाल में अटल पथ पर योग कार्यक्रम में हिस्सा लिया। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर और उज्जैन समेत प्रदेशभर में कार्यक्रम हुए। मुख्यमंत्री के साथ कार्यक्रम में स्कूली छात्र-छात्राएं और कुष्ठ रोगी भी शामिल हुए। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने इंदौर के राजवाड़ा पर योग किया। कई जगह पर थीम बेस्ड कार्यक्रम हुए। पीएम नरेंद्र मोदी के संदेश का प्रसारण भी किया गया। मध्यप्रदेश के हिल स्टेशन पचमढ़ी में सबसे ऊंची चोटी धूपगढ़ में स्थानीय लोगों योग किया। इस दौरान यहां कोहरा था। खजुराहो में योग के दौरान हल्की बारिश होने लगी, लेकिन लोगों ने योगाभ्यास जारी रखा। उज्जैन सांसद अनिल फिरोजिया योग के आधे से ज्यादा कार्यक्रम होने के बाद पहुंचे। वे योग कर रहे लोगों को देखते रहे। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने किसान भाई-बहनों, लखपति दीदियों और कृषि वैज्ञानिकों के साथ दिल्ली स्थित आईसीएआर पूसा में योग किया।

इंडियन काउंसिल फॉर कल्चर रिलेशन्स के मुताबिक, 191 देशों में 1,300 जगहों पर 2,000 से ज्यादा योग कार्यक्रम हुए। इसी के साथ आंध्र प्रदेश सरकार गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। प्रोग्राम में 50 लाख से ज्यादा योग प्रमाणपत्र भी बांटे गए। आंध्रप्रदेश सरकार ने भी योग आंध्र अभियान शुरू किया है। इसका मकसद है राज्य में 10 लाख लोगों का रोजाना योग करने वाली कम्युनिटी बनाना है।

पीएम ने दिए सूत्र

योग करोड़ों लोगों के जीवन का हिस्सा बना पीएम मोदी ने कहा- आज योग करोड़ों लोगों के जीवन का हिस्सा बन चुका है। मुझे गर्व होता है जब मैं देखता हूं कि हमारे दिव्यांग साथी ब्रेल में योग शास्त्र पढ़ते हैं। वैज्ञानिक अंतरिक्ष में योग करते हैं। गांव-गांव में युवा साथी योग ओलिंपियाड में भाग लेते हैं।

योग सभी का है, सभी के लिए

पीएम ने कहा कि अभी नेवी के जहाज में भी योगा कार्यक्रम चल रहा है। चाहे ओपेरा हाउस की सीढ़ियां हों या एवरेस्ट की चोटियां या समुंदर का विस्तार हो एक ही संदेश आता है कि योग सभी का है और सभी के लिए है।

योग हमें सांस लेने देता है

पीएम ने कहा कि दुर्भाग्य से दुनिया तनाव, अशांति और अस्थिरता से गुजर रही है। कई क्षेत्रों में यह स्थितियां लगातार बढ़ती जा रही हैं। ऐसे समय में योग हमें शांति का रास्ता दिखाता है। योग उस 'पॉज बटन' की तरह है जिसकी इंसानियत को जरूरत है- ताकि हम रुक सकें, सांस ले सकें, संतुलन बना सकें और फिर से खुद को पूर्ण महसूस कर सकें।

योग विज्ञान पर रिसर्च भी जारी

पीएम ने कहा कि भारत विश्व में योग के प्रसार के लिए योग के साइंस को आधुनिक रिसर्च से विस्तृत कर रहा है। हम योग के क्षेत्र में प्रमाण आधारित थेरेपी को भी बढ़ावा दे रहे हैं। इस दिशा में दिल्ली एम्स ने सराहनीय काम किया है।

विश्व योग दिवस पर विशेष

योग पूरे विश्व के लिए जरूरी पर सावधानी के साथ

महर्षि पतंजलि के योग की महिमा और महत्ता सैकड़ों सालों से दुनिया के सेहतमंद बनाए रखने की एक ऐसी विधा थी जो लोग वक्त के साथ भूलने लगे थे। बाबा रामदेव को लोग भले ही लाख गाली दें लेकिन योग के लोकव्यापीकरण का श्रेय किसी योगी या योग गुरू को जाता है तो देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बात करें तो उन्होंने योग के महत्व को दुनिया भर में प्रतिपादित करके हर साल 21 जून को विश्व योग दिवस के रूप में मनाने के लिए वैश्विक जनमानस को तैयार किया। दिग्विजय सिंह से लेकर शिवराज सिंह चौहान और मोहन यादव योग के जरिए खुद को फिट रखते हैं।

एक पत्रकार के साथ ही सागर विश्वविद्यालय (अब डॉ हरीसिंह गौर सेंट्रल यूनिवर्सिटी)से योग का सीनियर डिप्लोमो कोर्स करने के बाद प्रेमनारायण गुरू जैसे सागर विश्वविदयालय के विभागाध्यक्ष के रूप में योग की पढ़ाई , उसके सैद्धांतिक और व्यवहारिक ज्ञान की शिक्षा उन्होंने दी। फिर सागर में योग गुरू विष्णु आर्य, भोपाल में डा. गांगुली जैसे योग गुरूओं ने इसको आगे बढ़ाने की पहल करने के लिए उन्हें जाना जाएगा। यही नहीं कई शहरों में कई योग प्रशिक्षकों ने योग की विधा से लोगों को परिचित कराने के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया।

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

आधुनिक दौर में लोग योग को एक फैशन के रूप में अपनाने लगे। योग ऐसी विधा है,जो लोगों के जीवन शैली की धारा को ही बदल सकती है। वह उन्हें ऐसे मुकाम पर भी पहुंचा सकती है जहां वह एक स्वस्थ,लचीला और निरोगी बना सकता है। लेकिन योग दिखने और कहने में साधारण जरूर लगता हो लेकिन इसे सीखना कठिन चुनौती है। योग को अपनाने वालों को यह जानना जरूरी है कि उसे योग करते वक्त क्या सावधानियां बरतना जरूरी है। यानि अंग्रेजी दा की भाषा में कहें तो इसके डूज और डोंट जानना बेहद अनिवार्य हैं।

योग का मतलब सिर्फ आसन ही नहीं है। यह कई विधाओं का मिलाप है। योग में आसन शरीर को लचीला बनाते हैं। लेकिन इन्हें सांस लेते वक्त यह अच्छे से जान लेना जरूरी है कि कब सांस(पूरक) लेना है। कब सांस (कुंभक)रोकना है और कब उन रोकी गई सांसों को छोड़ना(रेचक) है। योग के आंतरिक अंगों को बेहतर बनाने के लिए अनुलोम विलोम, कपालभाति, भस्तिका और भ्रामरी जैसे बहुआयामी जुड़े हैं, जो शरीर को आंतरिक शक्ति दे सकते हैं। योग मुद्रा और शवासन जैसी विधा भी है जो थके हुए शरीरों को घंटो में ही नहीं मिनटों में रिलेक्स कर सकता है। फिर ध्यान है जो लोगों के मन में चलने वाली उथलपुथल को शांत करती है। उसे एकाग्रचित्त करती है। चिड़चिड़ाहट से बचाती सकती है। यह आज की भागदौड़ भरी तनावों से भरी जिंदगी को सही तरीके से जीने का रास्ता दिखाती है। फिर इसके बाद शुद्धि क्रियाएं हैं जो लोगों के शरीर को डिटाक्स करने में मदद करती हैं। इनमें सर्दी जुकाम होने पर जल नेति और सूत्र नेति, धौली जैसी क्रियाएं हैं। कुंडलनी को जाग्रत करने का विधान भी योग में निहित है।

लेकिन योग में आसन से लेकर भस्तिका तक कई ऐसी चीजें हैं जिनके बारे में यह जानना जरूरी है कि वह किसे करना है किसे नहीं? कब करना है? क्या सावधानी बरतना जरूरी हैं।

करीब डेढ़ दशक से ज्यादा पुराना एक वाकया है जिससे आप योग में निहित सावधानियों को समझना बेहद जरूरी है। यह तब की बात है जब शिवराज सिंह चौहान मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री थे। बाबा राम देव ने भोपाल के लाल परेड मैदान में करीब पांच हजार लोगों के समक्ष योग आसनों के बारे में अवगत कराया था। वे इस दौरान भोपाल के अशोका लेक व्यू होटल में प्रेस से मुखातिब हुए। प्रेसवार्ता समाप्त होने के बाद बाबा रामदेव से मैने कुछ वक्त चर्चा के लिए मांगा। उनसे सवाल किया कि जब मानदंड के मुताबिक एक स्कूली कक्षा में अधिकतम 45 बच्चे हो सकते हैं। एक डाक्टर ओपीडी में 24 मरीजों की ही जांच कर सकता है। दस बीस लोगों को ही योग प्रशिक्षित योग प्रशिक्षक एक बार में योग सीखने वालों की शिक्षा दे सकता है तो आप हजारों लोगों का मजमा एक साथ इकठ्ठा करके कैसे योग को सही तरीके से लोगों तक पहुंचा रहे हैं?

उनसे यह भी कहा कि आप लोगों को योग की कक्षा शुरू होने के पहले या दूसरे दिन से ही कैसे डायबिटीज या ब्लड प्रेशर की दवाएं छोडने को कह देते हैं जबकि योग सीखने वाले को इन सब बीमारियों से आंशिक या पूर्ण निजात पाने में छह महीने से साल भर लग जाता है। वो भी तब जब वह खानपान के साथ अपनी जीवन शैली में जरूरी बदलाव लाए। जब उन्हें बताया कि सैकड़ों लोग आपकी इस सलाह के चलते बीमार होकर एलोपैथी अस्पताल चलाने वाले डाक्टरों के पास पहुंचने लगे हैं। डाक्टर खुश हैं कि आपकी तत्काल दवा छोडने से बिस्तर पकडने वाले मरीजों की बीमारी को बाबा रामदेव सिड्रोंम जैसे शब्दों से नवाजना शुरू कर दिया है। उनकी इनकम सालाना 25 से 50 लाख रूपए बढ़ गई है। बाबा रामदेव ने इसे कैसे लिया यह तो नहीं पता लेकिन यह बताने का मकसद यही था कि आप(बाबा रामदेव) योग के लोकव्यापीकरण के लिए बधाई के पात्र हैं लेकिन यदि लोगों को धीरे-धीरे उनके सेहत में होते सुधार के साथ दवाएं छुड़वाएं तो बेहतर होगा। इसके बाद बाबा ने ऐलोपैथी की दवाओं के विकल्प में जड़ी बूटियो से दवाएं तैयार करने की हरिव्दार के कनखल में शुरू कर दी है। वे कितनी कारगर हैं या नहीं इसको लेकर विवाद चलते रहते हैं। अब बाबा रामदेव हरिव्दार में लोगों को योग के विधिवत कोर्स चलाकर योग की विधाओं में निपुण बना रहे हैं। कहने का मतलब यही है कि सरकारी स्तर पर योग को विश्व व्यापी बनाने और देश में इसको लेकर चेतना से भरने का काम सरकार कर सकती है।

योग के प्रचार प्रसार का काम आयुष विभाग करे या शिक्षा विभाग इसे अपने अधीन लेकर योग शिक्षक की भर्तियां करे लेकिन असली समस्या प्रशिक्षित योग गुरूओं की कमी है, जिसके बारे में संजीदगी से फैसले लेने की जरूरत है। शारीरिक रूप से खुद को दुरूस्त रखने के लिए जिम्नेशियम की भरमार है लेकिन शरीर को दुरूस्त बनाने की प्रक्रिया तभी पूरी हो सकती है जबकि शरीर में लचीलापन भी हो। देश के प्रख्यात हृदय सर्जन डा. नरेंश त्रेहान खुद योग की महत्ता को स्वीकार कर चुके हैं। वह मानते हैं कि शरीर को फिट रखने के साथ स्वस्थ बनाए रखने के लिए शरीर में लचीलापन भी जरूरी है।

सीएम ने किया नए तारामंडल का लोकार्पण

खगोल परंपरा व आधुनिक विज्ञान से तालमेल बनाने के लिए मंथन

उज्जैन। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने आज उज्जैन के डोंगला में वराहमिहिर खगोलीय वेधशाला में 'खगोल विज्ञान एवं भारतीय ज्ञान परंपरा' विषय पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ किया है। इसमें देशभर के कई बड़े वैज्ञानिक और शिक्षाविद भाग ले रहे हैं। कार्यशाला का उद्देश्य भारतीय खगोलशास्त्र की परंपरा और आधुनिक विज्ञान के बीच तालमेल बैठाना है। विशेषज्ञ इस बात पर विचार करेंगे कि भारतीय ज्ञान प्रणाली और आधुनिक विज्ञान को कैसे मिलाया जा सकता है। कार्यशाला में खगोल विज्ञान के साथ-साथ भारत की पुरानी ज्ञान परंपराओं को भी आधुनिक विज्ञान से जोड़ने की कोशिश की जाएगी। इस दौरान योग शिविर, साइंस शो, व्याख्यान और कई अन्य गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। मुख्यमंत्री यादव वेधशाला में शंकु यंत्र के माध्यम से शून्य छाया का अवलोकन भी करेंगे और एक नए तारामंडल का लोकार्पण भी करेंगे।

इस कार्यशाला में शामिल वैज्ञानिक व खगोविद खगोल विज्ञान और भारतीय ज्ञान के बारे में मंथन कर रहे हैं। कार्यशाला में कई तरह की गतिविधियां होंगी। योग शिविर लगेगा, साइंस शो होगा, और खगोल विज्ञान पर व्याख्यान भी होंगे। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य भारतीय खगोलशास्त्र की परंपरा को समझना है। साथ ही, यह भी देखना है कि यह आज के समय में कितना उपयोगी है।

आय से अधिक संपत्ति मामला

रेल्वे के चीफ लोको पायलट के घर आधी रात सीबीआई की सर्च

भोपाल। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो की टीम ने देर रात एक रिटायर्ड रेलवे कर्मचारी के सरकारी आवास पर सर्च कार्रवाई की। यह कार्रवाई आय से अधिक संपत्ति के एक मामले में की गई है। खबरों के अनुसार, यह सर्च आधी शुरू हुई और तड़के तक चलती रही। सीबीआई को मिली शिकायत के आधार पर यह कार्रवाई भोपाल के निशातपुरा स्थित सरकारी आवास में रहने वाले अशोक शर्मा के यहां की गई। अशोक शर्मा हाल ही में रेलवे विभाग से चीफ लोको पायलट के पद से रिटायर हुए हैं। वे लंबे समय से रेलवे यूनियन से भी जुड़े हैं और वर्तमान में वेस्ट सेंट्रल रेलवे एम्प्लॉयीज यूनियन में महामंत्री के पद पर कार्यरत हैं। जानकारी के अनुसार शर्मा के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति होने की एक विस्तृत शिकायत मिली थी। इस शिकायत की प्रारंभिक जांच के बाद भोपाल स्थित उनके निवास पर सर्च की कार्रवाई की गई। हालांकि, शिकायतकर्ता की पहचान गोपनीय रखी गई है। जानकारी के अनुसार सर्च के दौरान सीबीआई ने दस्तावेज, संपत्ति से जुड़े कागजात, बैंक खातों की जानकारी और इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस जब्त की है।

सतना-रीवा में 'अति' भारी बारिश का अलर्ट

भोपाल। गर्मी व उमस के बाद अब मानसूनी बारिश ने पूरे मध्यप्रदेश को तरबतर कर दिया है। नदी-नाले उफान पर होने से कई रास्ते बंद हो गए हैं। शिवपुरी में उफनती पुलिया पार कर रहा ट्रैक्टर बह गया। गनीमत रही कि ट्रैक्टर सवार चार लोगों को बचा लिया गया। धार जिले के मांडू की खुद नदी में एक युवक डूब गया। वहीं, ग्वालियर में सड़क ही धंस गई। 20 से ज्यादा जिलों में सुबह से रात तक बारिश का दौर चलता रहा। ऐसा ही मौसम आज व कल भी बना रहेगा। मौसम विभाग ने पूर्वी हिस्से के जिले-सतना, मैहर, रीवा, मऊगंज, सीधी और सिंगरौली में अति भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। यहां अगले 24 घंटे में 4 से 8 इंच तक पानी गिर सकता है। ग्वालियर, मुरैना, शिवपुरी, अशोकनगर, सागर, दमोह, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना में भारी बारिश होने की संभावना है। वहीं, भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर समेत प्रदेश के अन्य जिलों में यलो अलर्ट है।

ईरान पुराना दोस्त, भारत की चुप्पी से परेशानी : सोनिया

नई दिल्ली। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता व पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने ईरान पर इजराइली हमले की निंदा की है। उन्होंने द हिंदू में एक लेख में लिखा कि इजराइल खुद परमाणु शक्ति है लेकिन ईरान को परमाणु हथियार न होने पर भी टारगेट किया जा रहा है। ये दोहरा मापदंड है। उन्होंने कहा कि ईरान भारत का पुराना दोस्त रहा है और ऐसे हालात में भारत की चुप्पी परेशान करती है। गाजा में तबाही और ईरान में हमलों को लेकर भारत को स्पष्ट, जिम्मेदार और मजबूत आवाज में बोलना चाहिए। अभी देर नहीं हुई है। सोनिया ने कहा कि हमला उस समय हुआ जब ईरान-अमेरिका के बीच कूटनीतिक बातचीत जारी थी। मार्च में ही अमेरिका के नेशनल इंटेलिजेंस की डायरेक्टर तुलसी गबार्ड ने संसद में बताया था कि ईरान परमाणु हथियार बनाने पर काम नहीं कर रहा है।

मेट्रो एंकर युद्ध के 9 वें दिन भी भीषण वार-पलटवार का दौर, ट्रंप के बदले सुर

इजरायल के पास परमाणु ठिकाने नष्ट करने की क्षमता नहीं!

इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने वीजमैन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस का दौरा किया। इस पर ईरान ने मिसाइलों से हमला किया था।

तेलअवीव, एजेंसी

इजराइल-ईरान के बीच अटैक और काउंटर अटैक जारी है। ईरान ने ताजा हमले में इजरायल की राजधानी तेल अवीव पर बैलेस्टिक मिसाइलों और रॉकेट से हमला कर दिया है। सुबह से सेंट्रल इजरायल में सायरन बज रहे हैं और ईरान से रॉकेट की कई खेप शहर को निशाना बना रही है। इजराइल ने दावा किया है कि उसके हमलों ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को 2-3 साल के लिए पीछे धकेल दिया है। इजराइल ने ईरान में कोम, इस्फहान में मिसाइल हमले किए। दूसरी ओर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बदले हुए गौरतलब हो गये हैं। उन्होंने कहा है कि इजराइल के पास इतनी क्षमता नहीं है कि वह ईरान के फोर्डो परमाणु ठिकाने को पूरी तरह नष्ट कर सके। यह ठिकाना पहाड़ के 80 मीटर नीचे बना हुआ है। ट्रम्प ने कहा-इजराइल के पास बहुत सीमित क्षमता है। वे थोड़ा बहुत नुकसान पहुंचा सकते हैं, लेकिन बहुत गहराई तक नहीं जा सकते क्योंकि उनके पास वह तकनीक नहीं है।

उधर ईरान के न्यूक्लियर रिसर्च साइट इस्फहान में आज धमाकों कीआवाज सुनी गई है. ईरानी सरकारी मीडिया ने बताया कि इजरायल ने ईरान के मध्य शहर इस्फहान पर मिसाइलों की बौछार की है. यहां देश के सबसे बड़े परमाणु परिसरों में से एक स्थित है।

ईरान के यूएवी कमांडर को मारा

इजरायल का दावा है कि उसकी वायुसेना ने रिवोल्यूशनरी गार्ड के सेकेंड यूएवी ब्रिगेड के कमांडर अमीनपुर जौदकी पर हमला किया और उसे मार गिराया इजराइल ने 13 जून को ड्रोन यूनिट के चीफ ताहर फुर की हत्या कर दी थी। इसके बाद से जोदखी के पास ड्रोन यूनिट की जिम्मेदारी थी। इजराइल अब तक ईरान के 12 से ज्यादा सैन्य अफसरों की हत्या कर चुका है। इसमें ईरानी सेना के चीफ मोहम्मद बाघेरी, आईआरजीसी चीफ होसैन सलामी समेत कई और बड़े नाम हैं।

कर्मचारी नेता कर रहे अध्ययन, सरकार भी सतर्क

नए पदोन्नति नियमों में पुराने पैंच बरकरार, मुखर हो रहे सुर

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

सरकार द्वारा तय किये गये प्रमोशन संबंधी नए नियम पर कई राय उभर रही हैं। सरकार भी सतर्क है और कैविएट दायर कर दी गई है। कहा जा रहा है कि इसमें कई विसंगतियां हैं जो समय के साथ उभरेंगी। मंत्रालय सेवा अधिकारी कर्मचारी संघ के अध्यक्ष सुधीर नायक ने कहा है कि वरिष्ठता क्रम से कामन विचारण सूची बनाई जायेगी जबकि तीनों वर्गों की अलग अलग विचारण सूची बननी चाहिए थी। उनके मुताबिक् सरकार ने कहा है कि आरक्षण कोटा पूर्ण होने के बाद कामन विचारण सूची में शेष बचे आरक्षित वर्ग के शासकीय सेवकों को अनारक्षित माना जाकर अनारक्षित वैकेंसी हेतु विचारण में लिया जायेगा। जबकि सर्वाधिक विवादित और आपत्तिजनक बिंदु यही है। इसी कारण से उच्च पदों पर आरक्षण 100त्न तक पहुंच गया था। इसी कारण से लोग कोर्ट गए। अंततः उसी व्यवस्था को नये नियमों में ज्यादा मजबूत किया गया है।

नायक के मुताबिक आरक्षित वर्ग का शासकीय सेवक पदोन्नति हेतु आवश्यक अंक नहीं ला पाता है तो उसे एक अतिरिक्त कृपांक दिया जायेगा। मतलब हर स्टेज पर वैशाखी होगी। यही कारण है कि सामान्य ज्ञान, हिंदी मुद्रलेखन और हिंदी शार्ट हैंड तीनों प्रश्न पत्रों में बाकायदा ÷0÷ नंबर पाने वाले लोगों को मंत्रालय सेवा में ज्वाइन करा लिया गया, उसी दिनांक से वरिष्ठता भी दे दी गई और बाद में पदोन्नति भी दी गई। दूसरी ओर सामान्य वर्ग के अनेक लोगों को मुद्रलेखन परीक्षा विलंब से पास करने पर उतने वर्ष की वरिष्ठता नहीं दी गई। अब आरक्षित वर्ग का शासकीय सेवक दोनों प्रतीक्षा सूचियों में रहेगा। आरक्षण कोटा की वैल्यू मुख्यसचिव की अध्यक्षता वाली समिति करेगी व पांच वर्ष तक स्थिर रहेगी यह भी आपत्तिजनक है। इसका निर्धारण प्रतिवर्ष होना चाहिए।

पद खाली रहेंगे तो रुका रहेगा सरकारी काम

नायक ने कहा है कि किसी वर्ष में आरक्षित वर्ग में उपयुक्त व्यक्ति न मिलने पर वे पद तब तक खाली रखें जायेंगे , इसका मतलब है पद खाली पड़े रहेंगे सरकारी काम रूका रहेगा। जिस वर्ष उपयुक्त व्यक्ति मिलेंगे उस वर्ष में अनारक्षित वर्ग को मिलने वाले पद और कम हो जायेंगे। कुछ पद पिछले सालों का बैकलॉग पूरा करने में चलें जायेंगे। 2025 में उपयुक्त व्यक्ति नहीं मिले थे तो उसका खामियाजा 2030 का व्यक्ति क्यों भुगते। आरक्षित वर्ग में उपयुक्त व्यक्ति न मिलने की सज़ा अनारक्षित वर्ग के उपयुक्त व्यक्तियों को दी जायेगी। आरक्षित वर्ग के जो व्यक्ति अनारक्षित पदों पर आ जाते थे उन्हें समायोजित करने की व्यवस्था पुराने नियमों में थी मगर ऐसा किया नहीं गया अब नये नियमों में उक्त व्यवस्था ही नहीं रखी गई है। नए नियमों में पदोन्नति समिति के सदस्यों में से एक सदस्य अनुसूचित जाति और एक अनुसूचित जनजाति का रखा जाना आवश्यक है,ु नायक के मुताबिक जब सारा काम नियमों के तहत होना है तो यह आरक्षित वर्ग के अधिकारी करें या अनारक्षित वर्ग के अधिकारी करें और यदि माहौल ऐसा बन गया कि आरक्षित वर्ग के लोग आरक्षित वर्ग के अधिकारी पर ही भरोसा करें तो नियमों में यह प्रावधान भी होना था कि पदोन्नति समिति के सदस्यों में से एक सदस्य अनिवार्यत : सामान्य वर्ग का होगा।

हादसों के बाद भी सबक नहीं, बस सवार बच्चों व राहगीरों को खतरे में डाल रहे

हादसों के बावजूद बेखौफ...सड़कों पर दौड़ रहे शैक्षणिक संस्थाओं के वाहन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी भोपाल की सड़कों पर कई हादसों की वजह बने भारी वाहनों को पुलिस की चैकिंग का ज्यादा खौफ नहीं नजर आ रहा है। इनमें अधिकांश तो शैक्षणिक संस्थाओं के हैं। आलम यह है कि नियम विरुद्ध शैक्षणिक वाहन दौड़ाने का सिलसिला अब भी जारी है। एक दिन पहले ही जब आरटीओ की टीम सड़क पर उतरी तो ऐसी 6 बसें फर्राटा भरते मिल गईं, जिन्हें सड़क पर दौड़ाकर बच्चों की जान से तथा सडक पर चलने वाले राहगीरों की जान से खिलवाड़ किया जा रहा था। इनमें से दो बसें तो ऐसी भी मिलीं, जिनका फिटनेस सर्टिफिकेट 2015 और 2017 में एक्सपायर हो गया था।

माना जाता है कि यदि आरटीओ की और भी टीमें एक साथ पूरे शहर में कार्रवाई करें तो ऐसी कंडम बसों का आंकड़ा और भी बढ़ जाएगा। बताया जाता है कि चेकिंग में पकड़ी गई बसों के मामले में आरटीओ ने स्कूल प्रबंधन को दो दिन की और मोहलत देते हुए सोमवार से ज्यादा सख्ती बरतने की हिदायत दी है।

45 बसों को चेक किया, 6 जब्त

आरटीओ जितेंद्र शर्मा का कहना है कि टीएसआई अंकुर गुप्ता की टीम ने इस अभियान की शुरुआत होली क्रॉस स्कूल की बसों को चेक करने के साथ की थी। शैक्षणिक वाहनों के पीछे अपने वाहन से चलते हुए टीम ने स्कूल बस का रजिस्ट्रेशन नंबर परिवहन विभाग के पोर्टल पर चेक किया। इस दौरान इस स्कूल की तीन बसें बगैर फिटनेस के चलने मिलीं। इनमें से एक का फिटनेस वर्ष 2015 में और दूसरी का वर्ष 2017 में एक्सपायर हो गया था। इसके बाद टीम ने तीनों बसों को जब्त कर लिया। इनके अलावा होली फैमिली स्कूल की दो और फादर एंजल स्कूल की एक बस भी नियम विरुद्ध सड़कों पर दौड़ती मिली। टीम ने 6 को जब्त कर लिया गया है।

वाहनों की फिटनसे और परमिट को लेकर बरती जा रही सख्ती

उल्लेखनीय है कि बाणगंगा चौराहा पर स्कूल बस से हुए हादसे के बाद से ही शैक्षणिक वाहनों के फिटनेस और परमिट को लेकर सख्ती बरती जा रही है। इसी के तहत भोपाल आरटीओ ने लगातार दूसरे दिन यानी गुरुवार को भी शैक्षणिक बसों की चेकिंग की है। दूसरी तरफ आरटीओ और पुलिस के जवान शहर में कई स्थानों पर बैरिकेडिंग करके चेकिंग कर रहे हैं लेकिन उनका मुख्य फोकस दोपहिया वाहनों पर नजर आता है। सघन ट्रेफिक वाले स्थानों पर बैरिकेडिंग करके चैकिंग से लोगों को आने जाने में भी परेशानी होती है।

मजबूरी में मरीज बाजार पर हुए निर्भर, अभी ठीक होने में लगेगा समय

अब हमीदिया अस्पताल में एमआरआई-सीटी स्कैन मशीनों पर चली जेसीबी !

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी का सबसे बड़ा सरकारी अस्पताल हमीदिया अब नयी समस्या से घिरा हुआ है, इसके चलते मरीज परेशान हो रहे हैं। दरअसल हमीदिया अस्पताल में पिछले दस दिनों से एमआरआई जांच बंद पड़ी है। वजह यह कि इस पर जेसीबी मशीन %चल% गई है। नतीजा यह है कि मरीजों को मुफ्त उपचार के बजाय निजी लैबों में 10 हजार रुपए तक खर्च करने पड़ रहे हैं, जिससे गरीब और मध्यमवर्गीय मरीजों पर भारी आर्थिक बोझ पड़ रहा है। अस्पताल में भर्ती गंभीर मरीजों का इलाज भी अटक गया है। बताया जाता है कि अस्पताल के पुराने भवन को तोड़कर जो नया भवन बनाया जा रहा है, उसके निर्माण के चलते जेसीबी से खुदाई करते समय सीटी स्कैन और एमआरआई मशीन का अर्थिंग पिट टूट गया। बिना उचित अर्थिंग के मशीन चलाने से शॉर्ट सर्किट हो गया, जिसके परिणामस्वरूप एमआरआई मशीन पूरी तरह से बंद हो गई है।

उल्लेखनीय है कि हमीदिया अस्पताल में एमआरआई का शुल्क 1900 रुपए है, जबकि भर्ती मरीजों के लिए यह जांच निशुल्क होती है। मशीन खराब होने से मरीज इन सुविधाओं से वंचित हो रहे हैं। हमीदिया अस्पताल में नई एमआरआई और सीटी स्कैन मशीनें भी लगाई जा रही हैं, लेकिन

उनके शुरू होने में अभी समय लगेगा। सीटी स्कैन को शुरू होने में 15 दिन, जबकि एमआरआई को एक महीना लग सकता है। इसका मुख्य कारण इन मशीनों के संचालन के लिए आवश्यक टेक्नीशियन पदों पर नियुक्तियों का न होना है। इसे प्लानिंग फैलियर माना जा रहा है, क्योंकि ये सुविधाएं अब तक शुरू हो जानी चाहिए थीं।

पहले भी कई बार यह समस्या

हालांकि यह पहली बार नहीं है जब हमीदिया की एमआरआई मशीन इतने लंबे समय के लिए बंद हुई हो। इसी महीने की शुरुआत में भी यह मशीन करीब 10 दिन तक बंद रही थी। स्टाफ के अनुसार एक मरीज की जांच के दौरान लोहे की कोई वस्तु मशीन में फंस गई थी। इस मामले को हालांकि दबा दिया गया था। जबकि हमीदिया अस्पताल के अधीक्षक डॉ. सुनीत टंडन का कहना है कि यह मशीन पीपीपी (पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप) मोड पर है, और कुछ तकनीकी कारणों से यह बंद है। जल्द ही अस्पताल की खुद की मशीनें शुरू हो जाएंगी, तो यह परेशानी खत्म हो जाएगी।

- निरीक्षण के दौरान मिली कई अव्यवस्थाएं, अग्निशमन यंत्र भी एक्सपायर

बाल आयोग की टीम पहुंची स्कूल बिना मान्यता चल रही थी कक्षाएं

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी के फंदा क्षेत्र स्थित माउंट लिट्रा ज़ी स्कूल में मप्र बाल अधिकार संरक्षण आयोग की टीम के औचक निरीक्षण के दौरान कई अव्यवस्थाएं मिली हैं। शिकायत के बाद आयोग द्वारा निरीक्षण किया गया था, इस टीम आयोग के दो सदस्यीय दल में सदस्य डॉ. निशा सक्सेना और सदस्य अनुराग पाण्डेय शामिल थे। जांच के दौरान स्कूल के दस्तावेजों सहित व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया गया। सदस्य अनुराग पाण्डेय ने बताया कि निरीक्षण के दौरान स्कूल की मान्यता नहीं पाई गई। स्कूल प्रबंधन ने मान्यता नवीनीकरण नहीं कराया है। इसके अलावा स्कूल में अग्निशमन यत्र भी एक्सपायर पाए गए।?स्कूल के दो डाइस कोड मिले। स्कूल के बच्चों से बातचीत के दौरान सामने आया कि स्कूल प्रबंधन द्वारा निर्धारित बुक स्टोर से पुस्तक लेने की बात कही जाती है। इसके अलावा बच्चों के बस्ते का वजन अधिक होने सहित अन्य खामियां स्कूल में मिली हैं।?मामले में आयोग की टीम ने जांच रिपोर्ट तैयार की है। जिसके आधार संबंधित अधिकारियों को कार्यवाही के लिए लिखा जाएगा।

4 लाख से अधिक विद्यार्थियों को मिला व्यावसायिक प्रशिक्षण

भोपाल। प्रदेश के 2383 सरकारी स्कूलों में कक्षा-9वीं से 12वीं तक पढ़ने वाले विद्यार्थियों को रोजगारोन्मुखी कौशल विकास के उद्देश्य से केन्द्र सरकार द्वारा व्यावसायिक शिक्षा योजना संचालित की जा रही है। पिछले शैक्षणिक सत्र में 12 ट्रेड्स में करीब 4 लाख 5 हजार विद्यार्थियों को व्यावसायिक प्रशिक्षण दिलाया गया। 12 ट्रेड में एग्रीकल्चर, अपेरल, ऑटोमोटिव, ब्यूटी एण्ड वेलनेस, बैंकिंग एण्ड फायनेंस सर्विसेस, इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड हार्डवेयर, हेल्थ केयर, रिटेल, फिजिकल एजुकेशन, टूरिज्म एण्ड हॉस्पिटेलिटी, प्लम्बर और आईटी विधाओं से जुड़े हैं। इस शैक्षणिक सत्र में भी व्यावसायिक शिक्षा के और नये ट्रेड्स शुरू किए जाने पर स्कूल शिक्षा विभाग योजना तैयार कर रहा है।

सांची ने दुग्ध उत्पादकों को दिया तोहफा, खरीद के दाम में इजाफा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

स्टेट कोआपरेटिव डेयरी फेडरेशन से संबद्ध भोपाल दुग्ध संघ की दुग्ध समितियों के उत्पादकों से क्रय किए जाने वाले दूध क्रय दर में जोरदार वृद्धि की गई है, दुग्ध उत्पादकों से 825 किग्रा फैट से दूध क्रय करने का निर्णय लिया गया है, जो आज 21 जून से प्रभावशील हो गया है। यह दूध वृद्धि की दर संघ के इतिहास में सर्वाधिक बढ़ाई गई क्रय दर है। यह निर्णय ऐसे समय पर लिया है, जब अन्य निजी कंपनियों व क्रेताओं द्वारा दूध के क्रय की दरों में कमी की जा रही है। दुग्ध उत्पादकों को नियत तिथियों 3 तारीख, 13 तारीख और 23 तारीख में अनिवार्य रूप से भुगतान करने का भी निर्णय लिया है।

भोपाल दुग्ध संघ के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रीतेश जोशी ने बताया कि राज्य सरकार एवं राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड के मध्य हुए सहकार्यता अनुबंध के अंतर्गत

निर्धारित लक्ष्यों के अनुसार इस वर्ष संघ के कार्यक्षेत्र में 1000 नवीन दुग्ध समितियों का गठन करके 25000 पशुपालकों को संघ से जोड़ा जा रहा है, इस वृद्धि का प्रत्यक्ष लाभ इन सभी पषुपालकों को भी मिल सकेगा।

एमसीयू में जनसंपर्क अधिकारियों की कार्यशाला

अच्छा लिखने का सामर्थ्य पढने से आता है: कुलगुरु

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी स्थित माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में मप्र जनसंपर्क विभाग के नवनियुक्त सहायक जनसंपर्क अधिकारियों के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला जारी है। गत विदस इसकी शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी एवं अपर संचालक गुरमीत सिंह वाधवा ने की। तिवारी ने कहा कि जनसंपर्क अधिकारियों में जन शब्द लगा है इसीलिए उन्हें जन का विशेष ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि पीआरओ को लिखते समय अपने भीतर के पत्रकार को मरने नहीं देना चाहिए, पीआरओ सीधे जनता से जुड़ेंगे तो जनता को अच्छा लगेगा। अच्छा लिखने की बात करते हुए उन्होंने कहा कि अच्छा लिखने का सामर्थ अच्छा पढ़ने से आता है इसलिए

आपको खूब पढ़ना चाहिए ताकि अच्छा लिख सको। अगले सत्र में मध्यप्रदेश की भौगोलिक जानकारी, क्षेत्रफल, जनसंख्या विषय पर विषय विशेषज्ञ सी.के. शर्मा ने महत्वपूर्व जानकारी प्रदान की।

यूनिक खबरें देने का प्रयास

जनसंपर्क विभाग के अपर संचालक गुरमीत सिंह वाधवा ने कहा कि जनसंपर्क अधिकारियों को रुटीन खबरों के अलावा यूनिक एवं हटके खबरें देने का प्रयास करना चाहिए। पीआरओ को सफल होना है तो मीडिया के साथ समन्वय बहुत जरूरी है। उन्होंने समाचार लेखन में सुधार की चर्चा करते हुए कहा कि अखबारों की लीड और हेड लाइन को प्रतिदिन देखें और उनसे भी कुछ नया सीखे। श्री वाधवा ने कहा कि सोशल मीडिया से पहले जनसंपर्क विभाग का काम सुबह 10 से शाम 6 तक का था, लेकिन आज के दौर में यह काम 24 घंटे का हो गया है।

मेट्रो एंकर केंद्र के निरीक्षण दल ने जल जीवन मिशन के तहत आगर मालवा में प्रगति की सराहना की

हर घर जल अभियान की दिशा में प्रभावी क्रियान्वयन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भारत सरकार की सेंट्रल नोडल अधिकारी श्रीमती गरिमा श्रीवास्तव, सचिव, एग्रीकल्चरल साइंटिस्ट रिक्रूटमेंट बोर्ड भारत सरकार ने गुरुवार को आगर मालवा जिले के ग्राम रावली का निरीक्षण कर जल जीवन मिशन के अंतर्गत चल रही नलजल योजनाओं की प्रगति की सराहना की। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में हर घर जल पहुंचाने की दिशा में मध्यप्रदेश प्रभावी कार्य कर रहा है। इस मिशन के चलते बच्चों और महिलाओं के स्वास्थ्य पर भी सकारात्मक असर देखा जा रहा है।

निरीक्षण के दौरान उनके साथ भारत सरकार के श्री के. एल. प्रदीप, तकनीकी अधिकारी, भोपाल भी उपस्थित थे। निरीक्षण दल ने ग्राम के प्राथमिक विद्यालय और आंगनवाड़ी केंद्र में संचालित नलजल योजनाओं की कार्य प्रणाली को देखा तथा जल गुणवत्ता, आपूर्ति की नियमितता और उपभोक्ताओं की संतुष्टि जैसे पहलुओं पर अधिकारियों से जानकारी ली। श्रीमती श्रीवास्तव ने बताया कि जल जीवन मिशन का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल की सतत आपूर्ति सुनिश्चित करना है, और मध्यप्रदेश इस दिशा में उल्लेखनीय कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार, राज्य सरकार के प्रयासों को निरंतर प्रोत्साहित कर रही है। इस अवसर पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की टीम द्वारा नलजल योजना के तकनीकी पहलुओं की जानकारी दी गई तथा मिशन की वर्तमान प्रगति से अवगत कराया गया।

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2025

'एक पृथ्वी-एक स्वास्थ्य के लिए योग'
'Yoga for One Earth-One Health'

"योग संगम"

सामूहिक योग अभ्यास कार्यक्रम

प्रधानमंत्री
नरेन्द्र मोदी
द्वारा उद्बोधन (वर्चुअल माध्यम से)

प्रातः 6:00 बजे | अटल पथ, तात्या टोपे नगर, भोपाल

खगोल विज्ञान एवं भारतीय ज्ञान परम्परा पर
राष्ट्रीय मंथन कार्यशाला

वराहमिहिर खगोलीय वेधशाला के
आधुनिक तारामंडल का लोकार्पण

दोपहर 12:00 बजे | डोंगला, उज्जैन

गरिमामयी उपस्थिति
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

21 जून, 2025

"भारत की प्राचीनतम विद्या 'योग' निरोगी शरीर, उत्तम स्वास्थ्य और ऊर्जा प्राप्ति का अक्षय स्रोत है। हम भारत के प्राचीन ज्ञान की विरासत, जिसने भारत को हजारों वर्षों से समृद्ध बनाये रखा है, उसे न केवल संरक्षित करने बल्कि उसके वैज्ञानिक पक्ष को आधुनिक दृष्टिकोण से परिभाषित किये जाने के प्रतिबद्ध प्रयास कर रहे हैं।"

- डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

- मध्यप्रदेश सरकार की अनूठी पहल के तहत अपनी तरह की पहली कार्यशाला में 200 से अधिक विद्वान ज्योतिषाचार्य सम्मिलित होकर करेंगे खगोल विज्ञान एवं भारतीय ज्ञान परम्परा पर मंथन
- डोंगला स्थित वराहमिहिर खगोलीय वेधशाला में बनकर तैयार हुए आधुनिक तारामंडल में सौर मंडल के दृश्यों का अवलोकन किया जा सकेगा
- इस तारामंडल के माध्यम से खगोलीय घटनाओं की जानकारी का रुचिकर प्रदर्शन लोगों को खगोल विषय के ज्ञान से परिचित करायेगा
- योग शिविर, शून्य छाया अवलोकन, साइंस शो, स्टेम वर्कशॉप का आयोजन

सीधा प्रसारण webcast.gov.in/mp/cmevents @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

मध्यप्रदेश जनसंपर्क द्वारा जारी

D-11049/25

आकल्पन : मध्यप्रदेश माध्यम/2025

संपादकीय

सफर की दुश्वारियां खत्म कैसे हों

राजमार्गों के फैलते जाल और साथ ही बढ़ते टोल नाके नयी सुविधा के साथ नई असुविधा की तरह हैं। इन टोल नाकों पर फास्टैग प्रणाली का समूचा ढांचा संचालन की खामियों के कारण सवालों के घेरे में है। सरकार ने फास्टैग आधारित तीन हजार रुपए वाले वार्षिक पास की योजना का एलान हाल में किया है और दावा किया है कि इससे कई तरह के झंझटों से लोगों को मुक्ति मिल जाएगी। इस पास में पूरे साल टोल टैक्स देने की जरूरत नहीं है, लेकिन शर्तें भी लगाई गई हैं। इस योजना के तहत एक साल में दो सौ चक्कर लगा सकते हैं। हालांकि कहा जा चुका है कि यह योजना अभी सिर्फ राष्ट्रीय राजमार्गों एवं पूर्वोत्तर के टोल प्लाजा पर ही मान्य होगी। राज्य मार्गों के अंतर्गत आने वाले टोल नाकों पर यह नया पास नहीं चलेगा। यह केंद्र सरकार की योजना है और इसमें राज्यों को जोड़ने की कवायद दुरुह है। इसके लिए ढांचा तैयार करना आसान नहीं होगा। यह तो नई योजना की बात हुई।

दरअसल, फास्टैग की पूरी प्रणाली को लेकर ही उपभोक्ताओं की ढेरों शिकायतें हैं। उन शिकायतों की न तो कहीं सुनवाई हो रही है और न ही किसी स्तर पर चीजें ठीक करने की कोशिश दिख रही है। आम उपभोक्ता खामियाजा भुगत रहा है। फास्टैग के पूरे तंत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही का घोर अभाव दिखता है। इसके लिए कोई विनियमन नहीं है, न तो कोई नियामक। देश में 39 बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों को फास्टैग जारी करने का अधिकार दिया गया है। क्या ये लोग अपनी जिम्मेदारी निभा पा रहे हैं। जब कोई उपभोक्ता अपनी समस्या लेकर बैंक के पास जाता है तो उसे यह कहकर टाल दिया जाता है कि काम 'तीसरी पार्टी' के पास है। अब उपभोक्ता तीसरी पार्टी को कहां ढूंढने जाए। यह भी कोई बताने को तैयार नहीं है कि खराब हुआ फास्टैग स्टीकर, खाते में से बार-बार राशि कट जाना, दोगुना टोल भुगतान, सर्वर की गड़बड़ी, इस तरह की खामियों की जिम्मेदारी आखिर कौन लेगा और कैसे उपभोक्ता को अपनी परेशानियों से निजात मिलेगी। सरकार के टोल संग्रह के आंकड़े में बढ़ोतरी हो रही है। यह अच्छी बात है, लेकिन बढ़िया सेवा की उम्मीद तो उपभोक्ता करेगा ही। इसमें दो राय नहीं कि ढांचा अच्छा है। इससे किसी को इनकार नहीं हो सकता। लेकिन खामियां भी हैं, जिनसे आम उपभोक्ता परेशान हो रहा है। इस योजना का लाभ तभी मिल सकता है, जब सड़कें दुरुस्त हों और लोगों को अपनी यात्रा में किसी प्रकार की कोई दिक्कत न आए। लेकिन हैरत की बात है कि फास्टैग प्रणाली से पांच हजार करोड़ का राजस्व जमा करने वाली कंपनी का कोई ऐसा दफ्तर नहीं, जहां कोई उपभोक्ता पहुंच सके और अपनी बात रख सके। टोल नाकों पर लोग दिखते हैं, लेकिन वे उपभोक्ताओं के प्रति कितने जिम्मेदार होते हैं इसको लेकर सवाल हैं। उन लोगों के लिए जटिलता और बढ़ जाती है, जो पहली बार फास्टैग ले रहे हैं या जिन्हें इसकी प्रक्रिया के बारे में सटीक जानकारी नहीं है। अनधिकृत विक्रेता आसानी से अपने चंगुल में फांस लेते हैं। इस तरह के लोगों पर अंकुश कैसे लगे। राजमार्गों का चमचमाता तंत्र विकसित करना ही पर्याप्त नहीं है। राजमार्गों की व्यवस्था तभी मजबूत कही जाएगी, जब इस्तेमाल के लिए सुचारु व्यवस्था होगी, मजबूत तंत्र खड़ा किया जाएगा और उपभोक्ताओं को अपनी यात्रा में कोई दिक्कत नहीं होगी। इस बारे में सरकार को बहुत संवेदनशीलता के साथ सोचना जरूरी है।

आज का इतिहास

- 1756: जॉन जेड हॉलवेल के नेतृत्व वाली अंग्रेज सैन्य टुकड़ी के बंगाल के नवाब सिराजउद्दौला के समक्ष आत्मसमर्पण के बाद 146 अंग्रेजों को एक कमरे में बंद किया गया। उनमें से 123 की मौत।
- 1862: ज्ञानेंद्र मोहन टैगोर 'लिंकन्स इन' से वकालत की डिग्री हासिल करने वाले प्रथम भारतीय बने।
- 1898: अमेरिका ने स्पेन को हराकर गुआम पर कब्जा किया।
- 1948: सी. राजगोपालाचारी भारत के गवर्नर जनरल बने। वह देश के अंतिम गवर्नर जनरल थे।
- 1975: वेस्टइंडीज ने पहला क्रिकेट विश्व कप जीता।
- 1991: पीवी नरसिम्हाराव भारत के नौंवे प्रधानमंत्री बने।
- 1999: कोसोवो लिबरेशन आर्मी और कोसोवो शांति सैनिक बल के बीच विसैन्यीकरण समझौता।
- 2001: पाकिस्तान के तत्कालीन राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ ने आतंकवादी विरोधी कानून बहाल किया।
- 2002: यूरोपियन यूनियन के 15 राष्ट्राध्यक्षों की सेविलिया (स्पेन) में बैठक शुरू।
- 2003: जेके रोलिंग की पांचवी किताब हैरी पॉटर एंड द ऑर्डर ऑफ द फीनिक्स जारी।
- 2004: चीन ने भारत और पाकिस्तान वार्ता का समर्थन किया।
- 2005: डोनाल्ड त्यांग हांगकांग के नए प्रशासक बने।
- 2008: फिलिपींस में विनाशकारी तूफान फेंगसेन की चपेट में आने से सैकड़ों लोगों की मृत्यु।
- 2009: भारत की बैडमिंटन स्टार साइना नेहवाल सुपर सीरीज बैडमिंटन टूर्नामेंट का खिताब जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं।
- 2012: ऑस्ट्रेलिया जा रही नौका डूबने से 90 शरणार्थियों की मौत।
- 2015: पहला अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। संयुक्त राष्ट्र में भारत की पहल पर दुनिया के लगभग सभी देश स्वस्थ रहने के लिए योग के प्रसार की इस मुहिम में शामिल हुए।
- 1912: प्रसिद्ध हिन्दी साहित्यकार विष्णु प्रभाकर का जन्म दिवस।
- 1927: रेमन मैग्सेसे पुरस्कार सम्मनित वरिष्ठ पत्रकार बीजी वर्गीज का जन्म दिवस।
- 1933: भारत के प्रसिद्ध लेखक मुद्राराक्षस (सुभाष चंद्र आर्य) का जन्म दिवस।
- 1967: थाईलैंड की प्रथम महिला प्रधानमंत्री यिंगलक शिनावात्रा का जन्म दिवस।
- 1987: माउंट एवरेस्ट को फतह करने वाली पहली भारतीय आदिवासी युवती विनीता सोरेन का जन्म दिवस।
- 1970: इंडोनेशिया के प्रथम राष्ट्रपति सुकर्णो का निधन।
- 2020: उत्तराखंड के प्रमुख लोकगायक जीत सिंह नेगी का निधन।

संतुष्ट जीवन के लिए योग के संयोग

■ विवेक अत्रे

यदि हम किसी नवयुवक से आग्रहपूर्वक योग को अपनाने के लिए कहें तो वह हमसे पूछ सकता है, 'मेरे लिए योग इतना महत्वपूर्ण क्यों है?' निश्चित रूप से उसके प्रश्न का बुद्धिमत्तापूर्ण उत्तर देने के लिए स्वयं हमें इसका उत्तर ज्ञात होना चाहिए। निस्संदेह, पिछले एक दशक से प्रत्येक वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर भारत ने हमारे जीवन में योग के शाश्वत महत्व को उत्सव के रूप में मनाने में सम्पूर्ण विश्व का नेतृत्व किया है। फिर भी, जैसा कि हममें से कुछ लोग जानते हैं कि योग का सही अर्थ इसकी आंतरिक एवं गहन व्यक्तिगत अभिव्यक्ति में निहित है। योग और ध्यान की वैज्ञानिक पद्धतियों का नियमित अभ्यास हमें उस ईश्वर के साथ एकता की दिव्य खोज की ओर ले जाता है, जिस पर संसार के सभी धर्म बल देते हैं; यह खोज कालांतर में प्रेरित होती है और अंततः संभव भी होती है।क्रियायोग आध्यात्मिक अभ्यास की पद्धति सच्चे योगी को अन्ततः जीवन के सर्वोच्च लक्ष्य को प्राप्त करने में सक्षम बनाती है। श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने अपने शिष्य अर्जुन को दिए गए उपदेश में दो बार क्रियायोग का उल्लेख किया है। दरअसल, अनेक सदियों की मानवीय अज्ञानता के पश्चात उन्नीसवीं शताब्दी में महान आध्यात्मिक गुरु लाहिड़ी महाशय ने अपने शाश्वत गुरु महावतार बाबाजी के आशीर्वाद से इस महत्वपूर्ण और शुद्ध विज्ञान की पुनः खोज की। तत्पश्चात लाहिड़ी महाशय के शिष्य स्वामी श्रीयुक्तेश्वर गिरिजी ने कालांतर में अपने शिष्य श्री श्री परमहंस योगानन्द को क्रियायोग का गहन ज्ञान प्रदान किया।

कालांतर में योगानन्द जी ने मानव कल्याण के लिये क्रियायोग के वैश्विक दूत होने का संकल्प किया और इसके लाभों का सम्पूर्ण पाश्चात्य जगत में प्राणपण से प्रचार किया। आज सम्पूर्ण विश्व में उनके लाखों अनुयायी योग-ध्यान की वैज्ञानिक प्रविधियों

क्रियायोग आध्यात्मिक अभ्यास की पद्धति सच्चे योगी को अन्ततः जीवन के सर्वोच्च लक्ष्य को प्राप्त करने में सक्षम बनाती है। श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने अपने शिष्य अर्जुन को दिए गए उपदेश में दो बार क्रियायोग का उल्लेख किया है।

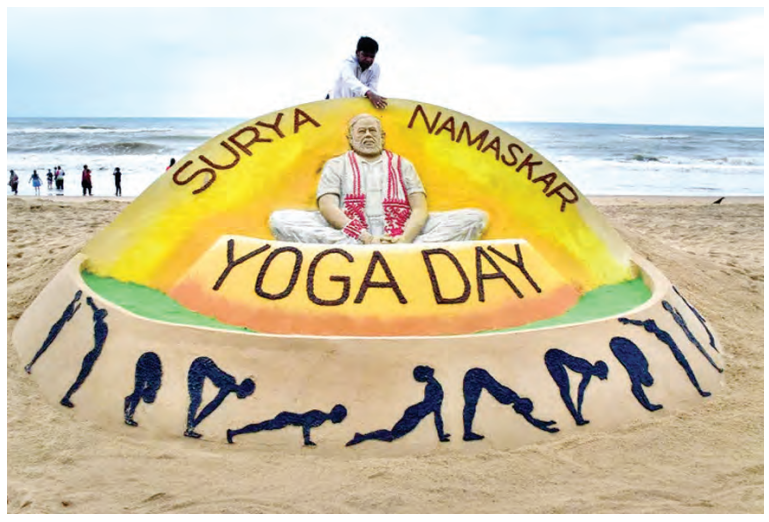

का अभ्यास निरंतर करते हैं, जो स्वाभाविक रूप से क्रियायोग मार्ग का ही विस्तार है। योगानन्दजी ने अपनी विश्व प्रसिद्ध और तमाम वैश्विक भाषाओं में अनुवादित पुस्तक 'योगी कथामृत' में अत्यंत प्रेरक ढंग से इसका वर्णन किया है, 'माया या प्रकृति के नियम के अधीन जीने वाले मनुष्यों में प्राणशक्ति का प्रवाह हमेशा बाह्य जगत की ओर होता है और इन्द्रियों में प्राणशक्ति का व्यय हो जाता है। साथ ही गाहे-बगाहे उसका दुरुपयोग भी होता है। सुखद ही है कि क्रियायोग का अभ्यास इस प्रवाह को वापस मोड़ देता है; प्राणशक्ति को मन द्वारा अन्तर्जगत में ले जाया जाता है, जहां प्राणशक्ति मेरुदण्ड की सूक्ष्म शक्तियों के साथ पुनः एक हो जाती है। प्राणशक्ति को इस प्रकार पुनः बल मिलने से योगी के शरीर एवं मस्तिष्क की कोशिकाओं को एक आध्यात्मिक अमृत से नवशक्ति प्राप्त होती है।' निश्चित रूप से क्रिया योग हमारे तन-मन के साथ ही आध्यात्मिक कल्याण करता है। योगी कथामृत पुस्तक से हम यह भी सीखते हैं कि क्रियायोग का नियमित अभ्यास सच्चे साधक को अपने रक्त को कार्बनरहित करने और उसे ऑक्सीजन से आपूरित करने में सक्षम बनाता है, जिसका संबंध हमारे शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य से है। इस प्रकार मस्तिष्क और मेरुदण्ड इस अतिरिक्त ऑक्सीजन से पुनर्जीवन प्राप्त करते हैं और ऊतकों का क्षय रुक जाता है। पूर्ण रूप से क्रियायोग के शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक लाभों का वर्णन करना सम्भव नहीं है। यह जीवन को समृद्ध बनाने वाली एक प्रविधि है जिसका निष्ठापूर्ण अभ्यास निश्चित रूप से योगी के अस्तित्व को उन्नत करता है।

निस्संदेह, क्रियायोग एक सार्वजनीन प्रविधि है और इसके अभ्यास द्वारा प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन की साधारण दिनचर्या से परे आध्यात्मिक ऊंचाइयों और गहराइयों तक पहुंच सकता है। सन् 1917 में श्री श्री परमहंस योगानन्द द्वारा स्थापित संस्था, योगदा सत्संग सोसायटी ऑफ़ इण्डिया (वाईएसएस), भारत, नेपाल और श्रीलंका के साधकों में योगानन्दजी की विशुद्ध क्रियायोग शिक्षाओं का प्रसार करती है। वाईएसएस की सहयोगी संस्था सेल्फ़-रियलाइज़ेशन फ़ेलोशिप (एसआरएफ़) लॉस एंजेलिस स्थित अपने मुख्यालय (मदर सेंटर) के माध्यम से सम्पूर्ण विश्व में इसी प्रकार की भूमिका निभाती है। योगानन्दजी ने ठीक सौ साल पहले सन् 1925 में मानवता के कल्याण के लिए एसआरएफ की स्थापना की थी। इन वर्षों में लाखों साधक इन शिक्षाओं से लाभान्वित हुए हैं। उनके जीवन में अप्रत्याशित बदलाव आए हैं। साथ ही पश्चिमी जगत में योग को प्रतिष्ठा मिली है। आपके और मेरे जैसे इस संसार के सामान्य लोगों के लिए, जीवन को संतुष्टि प्रदान करने वाला योग का प्रभाव केवल तभी अनुभव किया जा सकेगा जब हम परिश्रम और निष्ठापूर्वक क्रियायोग जैसी किसी वैज्ञानिक पद्धति का अभ्यास करेंगे। दूसरे शब्दों में कह सकते हैं कि इस प्रकार हम सब के लिए अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का यही वास्तविक महत्व है!

(साभार : लेखक पूर्व आईएएस अधिकारी हैं, यह उनके निजी विचार हैं)

विश्व संगीत दिवस- 21 जून

दिलों को ही नहीं, विभिन्न संस्कृतियों को जोड़ता है संगीत

■ ललित गर्ग

संगीत हर इंसान के न सिर्फ शारीरिक, बल्कि भावात्मक एवं मानसिक स्वास्थ्य को भी प्रभावित करता है। यह ईश्वर का मानव को अनमोल उपहार है। क्योंकि एक सुर, जो जोड़ता है दुनिया को बिना बोले, धुनों से रचता है मनुष्य मन की कहानी। संगीत न केवल शांति, सुकून एवं आनन्द का सशक्त माध्यम है बल्कि यह हमारी भावनाओं को जुबान देता है, यह तनाव कम करता एवं अनेक बीमारियों से मुक्ति भी देता है। संगीत सुनने से मानसिक शांति का अहसास होता है, संगीत दुनिया में हर मर्ज की दवा मानी जाती है। यह दुखी से दुखी इंसान को भी खुश कर देता है, संगीत का जादू एक मरते हुए इंसान को भी खुशी के लम्हे दे जाता है। अलग-अलग संस्कृतियों को जोड़ने में संगीत सबसे असरदार माध्यम है। संगीत को दुनिया की सबसे आसान और बेहतरीन भाषा मानी जाती है। संगीत की इन्हीं विलक्षण एवं अद्भुत विशेषताओं के कारण ही 21 जून को पूरे विश्व में संगीत दिवस मनाया जाता है। हर साल विश्व संगीत दिवस एक खास थीम के साथ मनाया जाता है। इस वर्ष 2025 की थीम है 'सद्भाव के माध्यम से उपचार', जो संगीत की एकजुटता और उत्थान की क्षमता पर जोर देता है। विश्व संगीत दिवस को मनाने का उद्देश्य संगीत विशेषज्ञ व विश्व के संगीत कलाकारों को एक अन्तर्राष्ट्रीय मंच पर लाकर विश्व एकता, सद्भाव, सौहार्द तथा विश्व शान्ति का सन्देश सारी दुनिया को देना भी है।

संगीत दिवस को 'फेटे डी ला म्यूजिक' के नाम से भी जाना जाता है। इसका अर्थ है 'संगीत उत्सव'। विश्व संगीत दिवस 110 देशों में ही मनाया जाता है जिनमें जर्मनी, इटली, मिस्र, सीरिया, मोरक्को, ऑस्ट्रेलिया, वियतनाम, कांगो, कैमरून, मॉरीशस, फिजी, कोलम्बिया, चिली, नेपाल, और जापान आदि हैं। विश्व में सदा ही शांति बरकरार रखने के लिए ही फ्रांस में पहली बार 21 जून 1982 में प्रथम विश्व संगीत दिवस मनाया गया था, जिसका श्रेय तात्कालिक सांस्कृतिक मंत्री श्री जैक लो को जाता है। इससे पूर्व अमेरिका के एक संगीतकार योएल कोहेन ने वर्ष 1976 में इस दिवस को मनाने की बात की थी। इस त्यौहार के अलग-अलग देशों में अलग-अलग नाम हैं, उदाहरण के लिए फ्रांस में 'ला फेते डे ला म्यूजिक', यूके में 'मेक म्यूजिक डे', इटली में 'फेस्टा डेला म्यूजिका' या पोलैंड में 'स्विएटो मुजिकी'। भारत में संगीत जीवन का अभिन्न हिस्सा है, शादी में ढोलक-शहनाई, भजन-मंडली में ढोल-मंजीरा, शास्त्रीय संगीत में तानपूरा, तबला, सरोद, सारंगी का हम सब भरपूर आनंद उठाते हैं। बचपन में संपेरों द्वारा बीन बजाते ही लहराते हुए सांप का खेल भी हमने खूब देखा है। ये संगीत का जादुई प्रभाव ही है कि नवजात शिशु भी झुनझुने की आवाज सुन किलकारी भरने लगता है। श्रीकृष्ण की बांसुरी की मीठी ध्वनि को सुन गोपियों का आकर्षित हो खिंचे चले आना-ये सारे किस्से संगीत की ही महिमा का बखान करते हैं।

विश्व संगीत दिवस पर सभी प्रकार के संगीत का जश्न मनाया जाता है, जिसमें फंक, जैज़, रॉक, शास्त्रीय, लोक, टेक्नो, ब्लूज़ आदि शामिल हैं। भारतीय संगीत प्राचीन काल से भारत मे सुना और विकसित होता संगीत है। शास्त्रीय संगीत आदि काल से है। संगीत के आदि स्रोत भगवान शंकर हैं। उनके डमरू से तथा श्रीकृष्ण की बांसुरी से संगीत के सुर निकले हैं। किंवदन्ति है कि संगीत की रचना ब्रह्माजी ने की थी। ब्रह्माजी ने ज्ञान की देवी सरस्वती को संगीत की सीख दी। मां सरस्वती के कर-कमलों में वीणा की उपस्थिति संगीत की महानता की कहानी स्वयं ही कह जाती है। देवी सरस्वती ने नारदजी को, नारदजी ने महर्षि भरत को तथा महर्षि भरत ने नाट्यकला के माध्यम से जन सामान्य में संगीत को पहुंचाया। सूरदास की पदावली, तुलसीदास की चौपाई, मीरा के भजन, कबीर के दोहे, संत नामदेव की सिखानियाँ, संगीत सम्राट तानसेन, बैजु बाबरा, कवि रहीम, संत रैदास संगीत को सदैव जीवित रखेंगे। इस संगीत का प्रारंभ वैदिक काल से भी पूर्व का है। इस संगीत का मूल स्रोत वेदों को माना जाता है। पंडित शारंगदेव कृत 'संगीत रत्नाकर' ग्रंथ मे भारतीय संगीत की परिभाषा 'गीतम, वादयम् तथा नृत्यं त्रयम संगीतमुच्यते' कहा गया है। गायन, वाद्य वादन एवम् नृत्य; तीनों कलाओं का समावेश संगीत शब्द में माना गया है। तीनो स्वतंत्र कला होते हुए भी एक दूसरे की पूरक है।

विश्व संगीत दिवस पर सभी प्रकार के संगीत का जश्न मनाया जाता है, जिसमें फंक, जैज़, रॉक, शास्त्रीय, लोक, टेक्नो, ब्लूज़ आदि शामिल हैं। भारतीय संगीत प्राचीन काल से भारत मे सुना और विकसित होता संगीत है। शास्त्रीय संगीत आदि काल से है।

भारतीय संगीत के दो प्रकार प्रचलित है; प्रथम कर्नाटक संगीत, जो दक्षिण भारतीय राज्यों में प्रचलित है और दूसरा हिन्दुस्तानी संगीत शेष भारत में लोकप्रिय है। भारतवर्ष की सारी सभ्यताओं में संगीत का बड़ा महत्व रहा है। धार्मिक एवं सामाजिक परंपराओं में संगीत का प्रचलन प्राचीन काल से रहा है। इस रूप में, संगीत भारतीय संस्कृति की आत्मा मानी जाती है। वैदिक काल में आध्यात्मिक संगीत को मार्गी तथा लोक संगीत को 'देशी' कहा जाता था। कालांतर में यही शास्त्रीय और लोक संगीत के रूप में दिखता है। भारत में संगीत मुगल बादशाहों की छत्रछाया में और कर्नाटक संगीत दक्षिण के मन्दिरों में सर्वाधिक विकसित हुआ। इसी कारण दक्षिण भारतीय कृतियों में भक्ति रस अधिक मिलता है और हिन्दुस्तानी संगीत में श्रृंगार रस। संगीत अशांति के अंधेरों में शांति का उजाला है। यह अंतर्मन की संवेदनाओं में स्वरों का ओज है।

संगीत मनोरंजन का जरिया ही नहीं, बल्कि यह देशों-दुनिया की संस्कृति को भी समझने में मदद करता है। खुशी हो या फिर गम, संगीत दिल को सुकून देता है। कहते हैं संगीत की कोई भाषा नहीं होती, यह सरहदों के पार होता है, दिल से निकलकर दिल तक पहुंचता है। संगीत को प्रेम की भाषा भी कहा जाता है। किसी के दिन की शुरूआत संगीत से होती है तो किसी की रात संगीत पर खत्म हो जाती है। संगीत दिल को खुशी देने का काम करता है। संगीत सिर्फ सात सुरों में बंधा नहीं होता। इसे बांधने के लिए विश्व की सीमाएं भी कम पड़ जाती हैं। अगर इसे महसूस करें तो दैनिक जीवन में संगीत ही संगीत भरा है-कोयल की कूक, पानी की कलकल, हवा की सरसराहट, मन्दिर की झंकार, हर जगह संगीत ही तो है, बस जरूरत है तो इसे महसूस करने की। किसी के लिए संगीत का मतलब अपने दिल को शांति देना है तो कोई अपनी खुशी का संगीत के द्वारा इजहार करता है। प्रेमियों के लिए तो संगीत किसी रामबाण या ब्रह्मास्त्र से कम नहीं। संगीत में मूड ठीक करने की अद्भुत ताकत होती है। अच्छा संगीत बेचैनी कम करता है। शोध कहते हैं कि घंटों काम कर रहे व्यक्ति का कुछ देर अच्छा संगीत सुनना उनकी रचनात्मकता व कार्यक्षमता को बढ़ा सकता है।

संगीत को लेकर हुए अध्ययनों में पता चला है कि संगीत शरीर में बदलाव लाता है, जो स्वास्थ्य में सुधार एवं शांति स्थापित करता है। इसके अलावा जो मरीज अवसाद और निराशा के शिकार होते हैं, उन्हें इससे बाहर निकालने के लिए संगीत थेरेपी दी जाती है। संगीत मन और शरीर दोनों को ही आराम पहुंचाता है। संगीत अमूर्त कला है पर उसमें निहित शांति, सौन्दर्य एवं संतुलन की अनुभूति विरल है। संगीत, ध्वनि का ऐसा लयबद्ध व्यवहार है जो हमें अपने आपसे जोड़ने में सहायक सिद्ध होता है। भारतीय संस्कृति में भी विभिन्न वाद्य-यंत्रों एवं उनसे उत्पन्न ध्वनि, राग-रागिनियों का विशिष्ट महत्त्व है। यूं तो सृष्टि के कण-कण में संगीत है फिर चाहे यह बहती हुई नदिया की धारा हो या किनारे से टकराकर लौटती समंदर की प्रचंड लहरें। बहती हुई हवा और उस पर झूमते-लहराते पत्ते भी हृदय के इसी तरंगित साज को अभिव्यक्ति देते प्रतीत होते हैं। कुल मिलाकर संगीत हमारी आत्मा में इस तरह रच-बस चुका है कि इसके बिना जीवन की कल्पना ही व्यर्थ है। बहुत से लोगों को किसी दर्द को कम करने या फिर दर्द से जूझने के लिए भी संगीत सहायक साबित होता है। इससे मानसिक ही नहीं बल्कि शारीरिक दर्द भी कम होता महसूस होता है। आपकी कोमल भावनाओं की सहज, सुन्दर अभिव्यक्ति है, संगीत। इन्हीं पलों को उल्लास के साथ जीने के लिए प्रेरणा देता है विश्व संगीत दिवस।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

समय और सागर की लहर किसी की प्रतीक्षा नहीं करती।
-रिचर्ड ब्रैथव्हेट

निशाना

हम भी करें प्रहार !

दो हमको अधिकार।
लड़नी और लड़ाई ।।
करते आए, करना है।
आप की भलाई ।।
दे दो इतनी सीटें।
हम भी करें प्रहार ।।
और प्यार बरसा कर।
पहनाओ फिर हार ।।
डाल रहे वो बाधा।
करते जो भी काम ।।
वादा है निभाया।
किए जो तमाम ।।
ना रूकना है हमको।
यूं ही चलते जाना ।।
भले पूर्व में हमने।
है भरा हर्जाना ।।

- कृष्णेन्द्र राय

सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने 28 दिव्यांग जनों को सांसद निधि से ट्राई स्कूटी प्रदान की

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

सांसद श्री सिंह ने कहा कि हम समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध हैं

नरसिंहपुर - होशंगाबाद सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने अपनी सांसद निधि से दिव्यांग जनों को 28 ट्राई स्कूटी प्रदान की और दिव्यांग जनों पर पुष्प वर्षा भी की। स्थानीय जनता कार्यालय नर्मदापुरम में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में सांसद श्री सिंह ने दिव्यांग जनों को ट्राई स्कूटी प्रदान करते हुए कहा की हम समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास, के मूल मंत्र को आत्मसात करते हुए समाज के हर वर्ग के व्यक्तियों की चिंता की है और उनके उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है। सांसद श्री सिंह ने कहा कि शासन का मुख्य उद्देश्य समाज के हर वर्ग के साथ-साथ दिव्यांग जनों को भी सशक्त बनाना है। उनका आर्थिक उत्थान करना है और उनकी जरूरत को पूरा करना है। ट्राई स्कूटी दिव्यांग जनों को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। कार्यक्रम में मौजूद दिव्यांग जनों ने ट्राई स्कूटी मिलने पर सांसद का आभार व्यक्त किया और कहां की ट्राई स्कूटी प्राप्त होने से उन्हें बहुत ही प्रसन्नता हो रही है और वह अपने दैनिक काम अब सरलता से कर सकेंगे। इसके लिए उन्हें किसी पर आश्रित नहीं रहना पड़ेगा। इसके लिए उन्होंने सांसद श्री सिंह का आभार व्यक्त किया।

कमिश्नर ने संभागीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में दिए निर्देश

एक्सीडेंट पीड़ितों को अस्पताल ले जाने वालों को 25 हजार मिलेंगे, प्रचार-प्रसार के निर्देश

नर्मदापुरम संभाग के प्रत्येक जिले में नवीन ब्लैक स्पॉट एवं ब्लाइंड स्पॉट चिन्हित किये जाए

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

संभाग के सभी जिलों में राह वीर योजना का व्यापक प्रचार प्रसार सुनिश्चित किया जाए एवं राहवीर योजना का प्रभावी क्रियान्वयन भी किया जाए। उक्त निर्देश नर्मदापुरम संभाग कमिश्नर श्री कृष्ण गोपाल तिवारी ने शुक्रवार को कमिश्नर कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित संभागीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में दिए। उन्होंने सभी कलेक्टर्स, पुलिस अधीक्षक एवं जिला परिवहन अधिकारियों को निर्देश दिए की सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय भारत सरकार द्वारा जारी दिशा निर्देशों के अनुसार राहवीर योजना प्रारंभ की गई है। इस योजना के तहत सड़क दुर्घटनाओं में घायल व्यक्ति को जो व्यक्ति इलाज हेतु नजदीक के अस्पताल में ले जाएगा उस व्यक्ति को 25 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा। राहवीर योजना में गंभीर दुर्घटना के घायल व्यक्तियों को भी अस्पताल ले जाने वाले भी राहवीर योजना के पात्र होगे। कमिश्नर ने सभी जिला परिवहन अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह राहवीर योजना का व्यापक स्तर पर क्रियान्वन करें और ऐसे व्यक्ति को प्राथमिकता से चिन्हित करें जो सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को अस्पताल लेकर गए हैं। ऐसे व्यक्ति को चिन्हित कर 25 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए जाए।

कमिश्नर श्री तिवारी ने सभी पुलिस अधीक्षकों एवं अधीक्षण यंत्री लोक निर्माण विभाग को निर्देश दिए कि वह नर्मदापुरम संभाग के हरदा, बैतूल एवं नर्मदापुरम जिले में नवीन ब्लैक स्पॉट के साथ ही नवीन ब्लाइंड स्पॉट भी चिन्हित करें। चिन्हित सभी ब्लैक स्पॉट और ब्लाइंड स्पॉट को ठीक करें और उसे आवा गमन के योग्य बनाएं। कमिश्नर ने निर्देश दिए की शहर के सभी नो एंट्री जोन पर नो एंट्री जोन के रेडियम युक्त संकेतक बोर्ड अनिवार्य रूप से लगाए जाएं। साथ ही नर्मदापुरम संभाग के सभी जिलों में विभिन्न बसो के स्टॉप के स्थान को भी चिन्हित करें। बस स्टॉप चिन्हित कर वहां टीन शेड लगाने की कार्रवाई भी की जाए और उसकी सूचना जिला प्रशासन को दी जाए। टीन शेड निर्माण की कार्रवाई विधायक निधि एवं पंचायत निधि से प्राथमिकता से कराई जाए।कमिश्नर ने निर्देश दिए की शहर के मुख्य मार्गों एवं भीड़भाड़ वाले व्यस्ततम क्षेत्र में प्राथमिकता से अतिक्रमण को चिन्हित किया जाए और नगर पालिका एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ऐसे स्थानों से प्राथमिकता से अतिक्रमण हटाना सुनिश्चित करें। उन्होंने हरदा बैतूल एवं नर्मदापुरम के मुख्य बाजारों में पार्किंग स्थल एवं ऑटो स्थल के चिन्हांकन के संबंध में भी आवश्यक निर्देश दिए और कहां की जिलों में गठित बस स्टैंड निगरानी समिति की बैठक भी शीघ्र ही आयोजित कर बैठक में प्राप्त मुद्दों की समीक्षा कर उनका निराकरण किया जाए।

कमिश्नर श्री तिवारी ने निर्देश दिए की नवीन शिक्षण सत्र 2025 - 26 के प्रारंभ होते ही सभी जिले अपने स्कूल बसो एवं अन्य यात्री बसो के फिटनेस की जांच अनिवार्य रूप से कर लें। स्कूली बसों एवं यात्री बसों के ड्राइवर की फिटनेस प्रमाण पत्र एवं लाइसेंस की जांच भी अनिवार्य रूप से की जाए। बसो के बीमा की जांच भी की जाए। उन्होंने निर्देश दिए की स्कूली बसों एवं यात्री बसों में ओवरलोड सवारियां ना बैठाई जाए और यदि ऐसी स्थिति पाई जाती है तो प्राथमिकता से बस संचालक के विरूध कार्रवाई की जाए।

कमिश्नर ने हिट एंड रन स्कीम 2022 के अंतर्गत गठित जिला स्तरीय समिति की त्रैमासिक बैठक भी आयोजित करने के निर्देश दिए और कहां की बैठक में प्राप्त प्रकरण एवं दावा का परीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। बताया गया कि हिट एंड रन स्कीम के अंतर्गत ज्ञात एवं अज्ञात वाहनों से सड़क दुर्घटना पर अलग-अलग राहत राशि प्रदान की जाती हैं। उन्होंने जिला परिवहन अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह पुलिस अधीक्षकों से थानों में दर्ज हिट एंड रन केस में दर्ज प्रकरण की जानकारी लेकर राहत राशि देने की कार्रवाई सुनिश्चित करें।

कमिश्नर श्री तिवारी ने निर्देश दिए की हरदा, बैतूल एवं नर्मदापुरम जिले में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए ट्रैक्टर ट्रालियों पर भी रेडियम रिफ्लेक्टर अनिवार्य रूप से लगाये जाए। गत बैठक में भी तत संबंध में निर्देश जारी किए गए थे। बताया गया कि नर्मदापुरम में 850 ट्रैक्टर ट्रालियों में रेडियम रिफ्लेक्टर लगाए गए हैं, बैतूल में सभी ट्रैक्टर ट्राली में तथा हरदा में लगभग 1 हजार ट्रैक्टर ट्रालियों में रेडियम रिफ्लेक्टर लगाए जा चुके हैं। कमिश्नर ने निर्देश दिए कि शेष रह गए ट्रैक्टर ट्रालियों में भी रेडियम रिफ्लेक्टर लगाए जाए क्योंकि ट्रैक्टर ट्रालियों के रात में चलने से सड़क दुर्घटनाओं की संभावना बनी रहती है। कमिश्नर श्री तिवारी ने निर्देश दिए की बस स्टैंड पर स्टॉपेज तथा आने जाने की टाइमिंग के संबंध में भी संकेतक बोर्ड लगाया जाए। इन संकेतक बोर्ड में स्पष्ट रूप से यात्री बसों के आने जाने का टाइम अंकित रहे।

बैठक में पुलिस महानिरीक्षक मिथिलेश कुमार शुक्ला, डीआईजी प्रशांत खरे, कलेक्टर नर्मदापुरम सुश्री सोनिया मीना, कलेक्टर बैतूल नरेंद्र सूर्यवंशी, कलेक्टर हरदा आदित्य सिंह, पुलिस अधीक्षक डॉक्टर गुरु करण सिंह एवं सभी जिला परिवहन अधिकारी उपस्थित रहे।

जगदीश स्वामी रथयात्रा की तैयारियों को लेकर कलेक्टर और विधायक ने की समीक्षा

मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को हर प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं : कलेक्टर

विधायक ने एक लाख रूपए की राशि देने की घोषणा की

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

मानोरा में भगवान जगदीश स्वामी रथयात्रा को लेकर विधायक हरिसिंह रघुवंशी और कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने मानोरा मेला के आयोजन पूर्व की जाने वाली तैयारियों की समीक्षा मानोरा ग्राम पंचायत भवन में आयोजित कर व्यवस्थाओं के मद्देनजर आवश्यक दिशा निर्देश विभागों के अधिकारियों को दिए है। समीक्षा बैठक के दौरान विधायक हरिसिंह रघुवंशी ने मानोरा मेला आयोजन को सुव्यवस्थित रूप से सम्पन्न कराने हेतु किसी भी प्रकार से आर्थिक अभाव ना हो को ध्यानगत रखते हुए उन्होंने एक लाख रूपए की राशि आयोजन के कार्यो हेतु देने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि लाखों की संख्या में श्रद्धालुगण आते है अतः उन्हें किसी भी प्रकार की असुविधा ना हो का विशेष ध्यान रखा जाए ताकि क्षेत्र का नाम अव्यवस्थाओं के नाम से ना जाना जाए।

विधायक रघुवंशी ने कहा कि जो दिव्यांग, वृद्धजन दर्शन हेतु आते है उन्हें ज्यादा ना चलना पड़े इसका विशेष ध्यान रखा जाए इसके लिए उन्होंने ई रिक्शा संचालन कार्य मेला परिसर में कराए जाने पर बल दिया है। ई रिक्शा में सिर्फ वृद्धजन व दिव्यांगजन ही बैठे ऐसी व्यवस्था क्रियान्वित की जाए। कलेक्टर गुप्ता ने विभागो के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि गतवर्षो के आयोजन दौरान की गई व्यवस्थाओं में और सुधार लाकर आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा ना हो का विशेष ध्यान रखकर कार्यो का संपादन समय सीमा में करना सुनिश्चित करें।

कलेक्टर ने कहा कि जिन विभागों के द्वारा गत वर्ष व्यवस्थाओं का क्रियान्वयन किया गया था उन्हें पुनः इस वर्ष जबावदेंही सौंपी जा रही है। उन्होंने पूर्व अनुभव को ध्यानगत रखते हुए और बेहतर व्यवस्थाएं समयावधि के पूर्व क्रियान्वित करने की अपेक्षा व्यक्त की।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रशांत चौबे ने मानोरा मेला अवधि 26 से 28 जून तक यातायात सहित अन्य व्यवस्थाएं किसी भी प्रकार से प्रभावित ना हो का विशेष ध्यान रखा जाए।

श्रद्वालुओं के लिए मानोरा मुख्य मंदिर में प्रवेश हेतु पृथक से दो अस्थायी दरवाजे बनाए जाने का सुझाव प्राप्त हुआ। जिस पर मंदिर समिति के सदस्यों ने भी सहमति व्यक्त की है ताकि पुरूष व महिला को दर्शन हेतु पृथक पृथक दरवाजे से प्रवेश दिलाया जा सकें। भगवान जगदीश स्वामी रथ के मार्ग के दोनों तरफ इस बार किसी भी प्रकार की दुकान ना लगाई जाए और मेला समिति के द्वारा रूटचार्ट के अनुसार दोनो तरफ के स्थलों को खाली रखने का सुझाव दिया गया है। मानोरा मेला में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए चहुंओर सीसीटीव्ही कैमरे लगाए जाएंगे। जिनका नियंत्रण पुलिस कंट्रोल रूम से होगा। कलेक्टर ने मानोरा मेला आयोजन की तैयारियों के दौरान सोशल मीडिया पर भ्रामक जानकारी किसी भी प्रकार से ना फैलाई जाए पर निगरानी रखने के लिए कंट्रोल रूम में व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराए जाने के निर्देश दिए है। विदिशा एवं बासौदा नगरपालिका क्षेत्र के कर्मियों का भी सहयोग इसमें लिया जाएगा। मानोरा मेला में आने वाले श्रद्धालुओं को बारिश के दौरान स्वच्छ पेयजल आपूर्ति में किसी भी प्रकार की दिक्कत ना हो। इसके लिए 25 विभिन्न स्थलों पर पानी के टेंकर रखे जाएंगे। इसके अलावा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के द्वारा मानोरा ग्राम के सभी हेण्ड पंपो, नलजल योजनाओं को दुरूस्त कराने हेतु लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग के अधिकारियों को आवश्यक जबावदेंही सौंपी गई है।

मेला परिसर से दूषित जल निकासी के लिए नालियों को दुरूस्त किया जाएगा। गया है। मानोरा मेला में हॉकर जोन बनाये जाएंगे। जिसके अनुसार व्यवसाईयों के सर्किल बनाए जाएंगे।

मानोरा मेला परिसर की सड़कों पर विभिन्न प्रकार की सामग्री के विक्रय पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। कोई भी व्यक्ति सड़कों पर लेकर सामानो की विक्रय नही करेगा। उक्त कार्यवाही पर नजर रखने के लिए भी दल गठित किए जाएंगे, जो प्रमुख सड़कों पर भ्रमण करते रहेंगे और यदि कोई व्यक्ति सड़कों पर सामान बेचते हुए पाया गया तो उस पर कार्यवाही करेंगे। मेला परिसर की प्रमुख सड़कों से पांच फिट दूर हॉकर जोन बनाए जाएंगे।

'टीबी मुक्त भारत अभियान' के तहत ग्वालटोली में शिविर आयोजित

126 ने कराई जांच, संभावित मरीजों की इलाज के लिए बनेगी निक्षय आईडी

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम बहुत महत्तवपूर्ण कार्यक्रम है, हमें देश को टीबी रोग मुक्त करना है, जिसकी समीक्षा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन एवं सेन्ट्रल टीबी डिवीजन द्वारा टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत टीबी मुक्त भारत अभियान पूरे भारतवर्ष में चलाया जा रहा है।

नर्मदापुरम जिले में टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत आज शुक्रवार 20 जून को ग्वालटोली में क्षय रोग जांच शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर में 126 नागरिकों की जांच की गई। जिसमें डॉ. संजय पुरोहित और डॉ. रोहित शर्मा ने नागरिकों की जांच की। आशा कार्यकर्ताओं के माध्यम से क्षेत्र में प्रचार-प्रसार कर संभावित मरीजों को बुलाया गया। लक्षणों के आधार पर संभावित मरीजों की टीबी स्क्रीनिंग की गई और लाइन लिस्ट तैयार की गई। खांसी, बुखार, रात में पसीना आना, खांसी में खून आना, छाती में दर्द और सांस लेने में तकलीफ जैसे लक्षणों वाले लोगों की जांच की गई। जांच किए गए संभावित मरीजों की निक्षय आईडी बनाई जाएगी, जिससे उन्हें उचित उपचार और समर्थन प्रदान किया जा सके। शिविर में यूपीएचसी ग्वालटोली के समस्त स्टॉफ और जिला क्षय केंद्र नर्मदापुरम के स्टॉफ जिनमें गोविंद सराठे, हेमंत अग्रवाल, विक्रम पटेल, श्याम वर्मा और रितिक ने जांच एवं परीक्षण कार्य में पूर्ण सहयोग किया।

एंकर मनीष कुमार को मिलेगा राष्ट्र गौरव पुरस्कार

नर्मदापुरम। आर्थिक राजधानी मुंबई की विख्यात राष्ट्रीय सामाजिक सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक संस्था 'मुम्बई साहित्यनामा' द्वारा आगामी सत्र में होने वाले राष्ट्रीय सम्मान कार्यक्रम में प्रतिष्ठित साहित्यकार स्व. महेंद्र कुमार दुबे की पांचवीं पुण्यतिथि स्मृति के अवसर पर देश की चुनिंदा हस्तियों को जिसमें साहित्यकारों, समाजसेवियों, सेना से जुड़े अधिकारियों, पत्रकारिता जगत की शीर्ष हस्तियों, कमलकारों को सम्मान की घोषणा की गई है। इसी श्रंखला में साधना न्यूज़ चैनल एंकर मनीष कुमार गोलिया को राष्ट्रीय राष्ट्र गौरव सम्मान की घोषणा की गई है। राष्ट्रीय सम्मान की संस्था के अध्यक्ष दिनेश वर्मा मुम्बई एवं प्रेस क्लब आंफ वर्किंग जर्नलिस्ट के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मनोज दुबे द्वारा की गई है।

मेट्रो एंकर पीएम सूर्य घर और पीएम-कुसुम योजनाओं के अंतर्गत मध्यप्रदेश में सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने हेतु नर्मदापुरम् में प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यशाला का आयोजन

अधिक से अधिक व्यक्ति सोलर ऊर्जा का उपयोग करें : संभागायुक्त

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

संभागायुक्त कृष्ण गोपाल तिवारी ने कहा कि अधिक से अधिक लोग एवं किसान अपने घरों एवं खेतो में सोलर ऊर्जा का उपयोग करें। लोगो को सोलर पैनल लगाने के लिए प्रेरित किया जाए। कमिश्नर म.प्र. मध्यप्रदेश ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड द्वारा काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वाटर के सहयोग से नर्मदापुरम् स्थित कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने हेतु एक प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। उल्लेखनीय है कि इस कार्यशाला का उद्देश्य डिस्कॉम अधिकारियों, विक्रेताओं, राज्य शासन के प्रतिनिधियों और उपभोक्ताओं सहित प्रमुख हितधारकों को पीएम सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना और पीएम-कुसुम योजना की जानकारी देकर उनकी क्षमता का विकास करना था।कमिश्नर श्री तिवारी ने कहा कि शासकीय भवनों एवं संस्थाओं में सोलर पैनल स्थापित करने के लिए शासन द्वारा प्रयास किए जा रहे है। उन्होने पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना और पीएम कुसुम योजना के माध्यम से भारत की ऊर्जा व्यवस्था में हो रहे परिवर्तन को रेखांकित किया और बताया कि कैसे ये योजनाएं स्वच्छ, किफायती और भरोसेमंद ऊर्जा प्रदान कर नागरिकों को आत्मनिर्भर बनाने में सहायक हैं।

श्री तिवारी ने प्रदेश में नवीकरणीय ऊर्जा के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने उपभोक्ताओं के लिए सोलर योजना में आवेदन और पंजीयन प्रक्रिया को सरल बनाने तथा विक्रेताओं के साथ समन्वय और मरम्मत सेवाओं के लिए एक सतत चैनल बनाने का सुझाव दिया। उन्होंने यह भी कहा कि सभी शासकीय परियोजनाओं में सौर ऊर्जा ढांचे को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाए तथा सफल उदाहरणों को सामने लाकर जनसामान्य को प्रेरित किया जाए।

सुश्री सोनिया मीना, कलेक्टर नर्मदापुरम् ने योजनाओं के लाभों की सराहना करते हुए उपस्थित अधिकारियों एवं प्रतिभागियों से आह्वान किया कि वे योजनाओं की जानकारी को जमीनी स्तर तक पहुंचाएं, जिससे अधिक से अधिक उपभोक्ता इनसे लाभान्वित हो सकें। तकनीकी सत्रों के दौरान भारत के जलवायु लक्ष्यों, नवीकरणीय ऊर्जा की दिशा में देश के संकल्पों, और मध्यप्रदेश द्वारा हासिल की गई प्रगति को साझा किया गया। CEEW, CSTEP, तथा भारतीय स्टेट बैंक के विशेषज्ञों ने पीएम सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना, आदर्श सौर गांव का निर्माण, पीएम-कुसुम योजना के अंतर्गत कृषि बिजली का सौरकरण, सौर ऊर्जा के लिए वित्तीय विकल्प पर अपनी प्रस्तुति दी।

इन सत्रों में सौर ऊर्जा प्रणालियों की तकनीकी जानकारी, पात्रता मानदंड, सब्सिडी ढांचे, विक्रेता चयन, वित्त पोषण और आवेदन प्रक्रिया को विस्तार से समझाया गया, जिससे प्रतिभागियों को सामुदायिक और व्यक्तिगत स्तर पर सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए सक्षम बनाया जा सके। कार्यक्रम का समापन सोजन सिंह रावत, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। उन्होंने परंपरागत ऊर्जा स्रोतों पर निर्भरता कम करने और कार्बन उत्सर्जन घटाने के लिए सौर ऊर्जा को अपनाने की आवश्यकता दोहराई। उन्होंने प्रदेश सरकार की सौर ऊर्जा में उल्लेखनीय प्रगति की सराहना की और पीएम-कुसुम योजना को किसानों को दिन के समय बिजली उपलब्ध कराने में सहायक बताया। उन्होंने सभी अधिकारियों से निरंतर समन्वय, प्रशिक्षण और जागरूकता प्रयासों को बनाए रखने का आग्रह किया ताकि मध्यप्रदेश देश के सौर ऊर्जा परिवर्तन में अग्रणी भूमिका निभा सके।

जिनोदय नगर परिवार कॉलोनी : विधायक विधानसभा में उठा चुके हैं मामला

कलेक्टर ने अवैध कॉलोनी की जांच कर कार्रवाई करने एसडीएम को दिए निर्देश

भूमाफियाओं की सेटिंग के आगे सब फेल नजर आ रहे

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

हमारे संवाददाता की खबर के बाद अवैध रूप से कॉलोनी धार्मिक स्थल के नाम से काटने वाले कॉलोनाइजर पर जांच के बाद कार्रवाई करने के निर्देश कलेक्टर पंकज गुप्ता ने एसडीएम को दिए हैं । शुक्रवार के अंक में हमारे संवाददाता ने भूमाफियाओं ने आम जनता को लूटने का निकला नया तरीका धार्मिक स्थल के नाम से काटी जा रही अवैध कॉलोनी शीर्षक के साथ खबर को प्रमुखता से प्रकाशित प्रशासन के संज्ञान में लाने का कार्य किया इसके बाद भूमिया पर प्रशासन को कार्रवाई करने की याद आई एसडीएम ने तहसीलदार से उक्त अवैध कॉलोनी की जांच करके रिपोर्ट देने के निर्देश दिए इसके बाद जांच प्रारंभ हुई वहीं तहसीलदार से रिपोर्ट मिलने के बाद अग्रिम कार्रवाई के लिए एसडीएम के द्वारा प्रकरण बनाकर कलेक्टर को भेजा जाएगा जहां से अवैध रूप से कॉलोनी काटने वालों पर कार्रवाई होगी। वैसे खबर पर तत्कालीन कलेक्टर रोशन सिंह ने कई कॉलोनीयों पर कारवाई कारवाई एफआईआर करवाने के निर्देश भी दिए। कुछ कई कॉलोनी मामले भी दर्ज हुए हैं कई कॉलोनीयों को विक्रय से प्रतिबंध भी किया है। दूसरी ओर कलेक्टर

भूमाफियाओं ने लोगों चूना लगाने निकाला नया तरीका
तीर्थ स्थल नाम से अवैध कॉलोनी, समाज ने किया विरोध

ने जिन अधिकारी को अवैध रूप से कॉलोनी बनाकर जनता को लूटने वलों पर कार्रवाई की जिम्मेदारी दी है वह अपने काम को सही तरीके से नहीं कर रही है इस वजह से भूमिया प्रशासन पर हावी हो रहे हैं। इस मामले में भी आगे कड़ी कार्रवाई होगी या मामले को ठंडा बस्ते में डाल दिया जाएगा। डीले रवैया का ही परिणाम है कि अवैध रूप से कॉलोनी मन नहीं रहे हैं। सूत्र बताते हैं कि जहां से कार्रवाई होनी है वहीं पर अवैध रूप से कॉलोनी काटने वाले भूमाफियाओं ने साठ गांठ कर ली है तभी तो धरातल पर ठोस नहीं हो पा रही है । तत्कालीन कलेक्टर रोशन सिंह ने जरूर भू माफियाओं पर डंडा चलाना प्रारंभ कर दिया था उनके जाते ही फिर से भूमाफिया सक्रिय हो गए हैं । वहीं हैरानी की बात तो है कि विधायक उमाकांत शर्मा भी अवैध रूप से कॉलोनी काटने का मामला विधानसभा में उठा चुके हैं उसके बाद भी प्रशासन के जिम्मेदारी धरातल पर अवैध रूप से कॉलोनी काटने वालों का अंकुश नहीं लगा पा रहें हैं। एक बार फिर कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने अवैध रूप से कॉलोनी काटने वालों पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं उनके निर्देशों के बाद धरातल पर कार्रवाई होगी या फिर जिनके पास कार्रवाई जिम्मेदारी वह कार्रवाई के नाम पर खाना पूर्ति कर देंगे और उनका खेल इसी तरह चलता रहेगा।

जनता का मामला: कलेक्टर ने जांच के दिए निर्देश

भूमाफियाओं ने आम जनता को चूना लगाने के लिए नया तरीका तरीका निकाला है धार्मिक स्थल के नाम से अवैध कॉलोनी की खबर को हमारे संवाददाता ने शुक्रवार के अंक में मामले को प्रमुखता से उठाया खबर को संज्ञान में लेते हुए कलेक्टर ने एसडीएम हर्षल चौधरी को जांच के बाद अवैध रूप से कॉलोनी काटने वाले कॉलोनाइजर पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। इसके बाद एसडीएम ने तहसीलदार को जांच करके प्रतिवेदन देने के निर्देश भी दिए हैं रिपोर्ट आने के बाद अवैध रूप से कॉलोनी विकसित करने पर व्यक्ति पर कार्रवाई के लिए प्रकरण बनाकर कलेक्टर को भेजा जाएगा इसके बाद अवैध रूप से कॉलोनी काटने पर कार्रवाई होगी धन के लालची भूमाफिया ने यहां तो धार्मिक स्थल के नाम से ही कॉलोनी काटने नया तरीका निकाला है। जिसके चलते जैन समाज में भी उनके तीर्थ स्थल के नाम से कॉलोनी काटने पर आक्रोश पनप रहा है तूने अपना विरोध भी संबंधित व्यक्ति के सामने दर्ज कर दिया है। जल्दी ही कार्रवाई नहीं तो जैन समाज कार्रवाई करवाने के लिए प्रदर्शन भी कर सकता है।

दूसरी ओर खबर के बाद नीचे से लेकर ऊपर तक हड़कंप मच गया अवैध रूप से कॉलोनी बनने पर प्रशासन के द्वारा कई कार्रवाई करने की शुरुआत की गई है तहसीलदार ने पटवारी को जांच करके रिपोर्ट देने के निर्देश दिए हैं इसकी जानकारी रखते ही भूमिया की चिंताएं भी बढ़ गई है प्रशासन की कार्रवाई से बचने के लिए राजनीतिक लोगों से लेकर प्रशासनिक अधिकारियों का सहारा लेने का प्रयास भी किया जा रहा है।

शहर के पास कट रही अवैध कॉलोनी, प्रशासन बेखबर

आरोन रोड पर नगरीय क्षेत्र में ही अवैध रूप कॉलोनी विकसित की जा रही है इसकी जानकारी अधिकारियों को ना हो ऐसा संभव नहीं है या फिर काहे इन सब की मिली भगत से ही इस खेल को अवैध रूप से कॉलोनी काटने वाले अंजाम देकर जनता को लूटने का काम कर रहे हैं तभी तो मुख्य मार्ग पर इतने दिनों से कॉलोनी को अवैध रूप से विकसित प्लाटिंग की जा रही है जबकि इस मार्ग से कई बार अधिकारियों का आना-जाना हो चुका है क्षेत्र के जनप्रतिनिधि भी आंखें बंद करके तमाशा देख रहे हैं इसी का परिणाम की आम लोगों को अवैध कालोनी काटने वाले खुलेआम लूटने में लगे हुए हैं

इसके अलावा जैन समाज के तीर्थ स्थल के सामने कॉलोनी विकसित हो रही है उनके ही धार्मिक स्थल का नाम इस कॉलोनी को देकर जनता को चूना लगाने का नया तरीका प्रारंभ किया है।

इनका कहना है

कलेक्टर के निर्देश पर हमने अवैध कॉलोनी की जांच प्रारंभ कर दी है तहसीलदार से जांच करवा रहे हैं इसके बाद अग्रिम कार्रवाई के लिए प्रकरण बनाकर कलेक्टर को भेजेंगे।

-हर्षल चौधरी, एसडीएम

15 अगस्त तक मत्स्याखेट पर प्रतिबंध

सिरोंज। विदिशा कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने विदिशा जिले में 15 अगस्त तक के लिए मत्स्य आखेट पर प्रतिबंध लगाने का आदेश जारी कर दिया है।

कलेक्टर द्वारा जारी आदेश का हवाला देते हुए मत्स्य विभाग के सहायक संचालक श्री सहदेव नागले ने बताया कि वर्षा ऋतु में मछलियों की वंशवृद्धि (प्रजनन) के दृष्टिकोण से उन्हें संरक्षण देने हेतु राज्य के सभी प्रकार के जल संसाधनों में मध्यप्रदेश नदीय मत्स्योद्योग अधिनियम 1972 की धारा 3(2) के अन्तर्गत 16 जून से 15 अगस्त तक की अवधि को बन्द ऋतु (क्लोज सीजन) अधिघोषित किया गया है। इस अवधि में सभी प्रकार का मत्स्याखेट पूर्णत: निषिद्ध रहता है। साथ ही मत्स्य विक्रय या विनिमय अथवा परिवहन करना भी प्रतिबंधित किया गया है। जारी आदेश व नियमों के उल्लंघन पर म.प्र. राज्य मत्स्य क्षेत्र संशोधित अधिनियम 1981 की धारा 5 के तहत उल्लंघनकर्ता को एक वर्ष का कारावास या 5 हजार रुपए का जुर्माना या दोनों से दण्डित किये जाने का प्रावधान है। मत्स्य विभाग के सहायक संचालक ने बताया कि मछली पालन विभाग के ज्ञापन अनुसार छोटे तालाब या अन्य स्त्रोत जिनका कोई संबंध किसी नदी से नहीं है और जिन्हें निर्दिष्ट जल की परिभाषा के अन्तर्गत नहीं लाया गया है, को छोड़कर समस्त नदियों व जलाशयों में बन्द ऋतु में मत्स्याखेट पूर्णत: बन्द रहेगा। बन्द ऋतु की अवधि में अवैधानिक मत्स्याखेट, परिवहन, क्रय-विक्रय ऽआदि कार्य करते पाये जाने पर उनके विरूद्ध अधिनियम के प्रावधानों एवं शासन निर्देशों के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।

मास्टर ट्रेनर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम आज

सिरोंज। विदिशा बूथ लेवल ऑफिसर्स के लिए राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत राज्य स्तरीय, जिला स्तरीय एवं विधानसभा स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण कार्यक्रम आर.सी.वी.पी. नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी भोपाल में 21 जून को समय 10 बजे से 6 बजे तक आयोजित किया जायेगा। प्रशिक्षणार्थियों को राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर , जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर, विधानसभा स्तरीय मास्टर ट्रेनर का प्रशिक्षण दिया जायेगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम को मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी संबोधित करेंगे। प्रशिक्षण में विधिक प्रावधान एवं निर्वाचक नामावली प्रक्रिया, रोल प्ले, फॉर्मो को भरना तथा केस स्टडीज, बीएलओ ऐप एवं फॉर्म भरने के अभ्यास का आंकलन तथा शंका समाधान किया जायेगा। उक्त प्रशिक्षण में भारत निर्वाचन आयोग में प्रशिक्षित सफल बीएलओ भी उपस्थित रहेंगे।

आकाशीय बिजली से बचाव के दिशा-निर्देशों का करें पालन

सिरोंज। विदिशा आकाशीय बिजली (वज्रपात) से बचाव के लिए स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा विभाग ने जन समुदाय के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इन निर्देशों का पालन कर आकाशीय बिजली से सुरक्षा और बचाव किया जा सकता है। आकाशीय बिजली से आउटडोर (घर के बाहर) बाहरी गतिविधियों में शामिल लोग जैसे खेतों, औद्योगिक स्थानों, निर्माण और सामग्री हैंडलिंग वाले स्थलों पर काम करने वाले लोग सर्वाधिक संवेदनशील होते हैं। आकाशीय बिजली किसी भी समय गिर सकती है। यह मानसून के पहले जून-जुलाई में अधिक होती है। दोपहर और सायंकाल के बीच वज्रपात की घटनाएं सर्वाधिक देखी जाती है। ऊंची नुकीली संरचनाओं, पेड़ों पर आकाशीय बिजली गिरने की अधिक संभावना होती है। ऐसे स्थानों से दूर रहने की सलाह दी गई है। जारी निर्देश में कहा गया है कि धातु का मचान, धातु के उपकरण, पानी के पाइप या प्लम्बिंग, बिजली का संचालन करने वाली सामग्री अथवा सतहों के संपर्क से बचें। ऊंची अधोसंरचनाएं, पहाड़ी टेकरी, बिजली के खंभे, टेलीफोन के खंभे, ऊंचा पेड़, छत, मचान, धातु की सीढ़ी, बड़े मशीन जैसे बुलडोजर, क्रेन और ट्रेक्टर. जैसे वाहनों से दूर रहें। विस्फोट संभावित क्षेत्रों तथा उद्योग स्थलों से तत्काल सुरक्षित स्थल की ओर प्रस्थान करें। धातुयुक्त वाहनों से विद्युत प्रवाह संभावित होने के कारण तुरंत सुरक्षित स्थलों की ओर जाएं। सड़क पर होने पर तुरंत किसी भवन के अंदर शरण लें। आकाशीय बिजली के गर्जन सुनाई देने के बाद कम से कम 30 मिनट तक सुरक्षित स्थान पर बने रहें। बिजली एवं इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के संपर्क से दूरी बनाए रखें। इन्हें पावर प्लग से पृथक करें। बिजली का प्रवाह किसी भी दीवार, फर्श, इलेक्ट्रिकल सिस्टम, रेडियो और टेलीविजन रिसेप्शन सिस्टम तारों के माध्यम से हो सकता है। घर, कार्यालय में अर्थिंग सुनिश्चित करें। खुले हुए खिड़की, दरवाजे, धातु के पाइप इत्यादि के पास खड़े नहीं रहें। पानी के धातु पाइप से बिजली प्रवाहित हो सकती है। पर्याप्त संख्या में औषधियाँ, सामग्री और पैरामेडिकल स्टाफ का उन्मुखीकरण सुनिश्चित करने को कहा गया है। सभी शासकीय चिकित्सालयों तथा ग्रामीण क्षेत्रों में आशा कार्यकर्ताओं ए.एन.एम. / सी.एच.ओ. के पास जीवन रक्षक दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित हो। बहु-उद्देशीय कार्यकर्ताओं, आशा कार्यकर्ताओं एवं आशा पर्यवेक्षकों को स्थानीय स्तर पर आपात सेवा स्थापित करने के लिए तैयार रखा जाये। शासकीय अमले की सहायता के लिये स्थानीय स्वयंसेवी संगठनों व पैरामेडिकल स्टाफ को चिन्हित कर आपात स्थिति में उनकी सेवाएं प्राप्त करने की व्यवस्था करने के निर्देश दिये गये हैं।

आरोपियों पर कार्रवाई को लेकर कुरैशी समाज ने राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

सिरोंज। ऑल इंडिया जमिअतुल कुरैश के तहसील अध्यक्ष जहीर कुरैशी एवं जिला अध्यक्ष इरफान कुरैशी उर्फ बाबू ठेकेदार के नेतृत्व में राष्ट्रपति के नाम पुलिस एसडीओपी उमेश कुमार तिवारी को एक आवेदन पत्र सौंपकर कुरैशी समाज जनों द्वारा अवगत कराया गया है कि दिनांक 5/6/2025 को रात्रि के समय जुनैद खां पुत्र शहजाद का निवासी वार्ड नंबर 4 मोहल्ला रकाबगंज सिरोंज जिला विदिशा अपने साथी अरमान खान के साथ उसकी लोडिंग गाड़ी से भोपाल जा रहा था तभी रास्ते में विदिशा कोडी रोड पर मेहगांव सांची स्कूल के पास 10 से 15 लोगों ने रास्ता रोककर नाम पता पूछ कर बड़ी बेरहमी के साथ मारपीट की जिससे उक्त दोनों व्यक्तियों को जगह-जगह शरीर पर गंभीर चोटे आई तथा उनकी गाड़ी में रखे 2 लख रुपए भी लूट लिए और उन्हें घटनास्थल से अन्य किसी स्थान पर ले जाकर मारपीट की गई जिस कारण से इलाज के दौरान दिनांक 17/6/ 2025 को जुनैद खान पुत्र शहजाद की मृत्यु हो गई एवं अरमान अभी गंभीर हालत में अस्पताल में जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहा है मृतक के साथ मारपीट करने वाले गौ- रक्षकों को गिरफ्तार कर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाकर उन्हें सख्त से सख्त सजा दी जाए ताकि भविष्य में कोई भी ऐसी घटना न हो जिससे कोई निर्दोष व्यक्ति की जान जाए और देश व प्रदेश में किसी प्रकार का माहौल खराब ना हो। इस अवसर पर ऑल इंडिया जमिआतुल कुरैश पूर्व जिला अध्यक्ष वाजिद कुरैशी, पूर्व प्रदेश सचिव शकील कुरेशी, शाहिद कुरेशी, आमिर कुरैशी, शाहिद कुरेशी सहित बड़ी संख्या में समाजजन मौजूद रहे।

लचायारा गांव में आपदा से बचाव के लिए जन चेतना शिविर का आयोजन हुआ

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

कुरवाई तहसील की ग्राम पंचायत लचायरा में आपदा से बचाव संबंधी जन चेतना शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें प्रभारी एएसआई लक्ष्मी विश्वकर्मा के नेतृत्व में एसडीईआरएफ होमगार्ड टीम द्वारा बाढ से पूर्व तैयारी, आग की घटना में बचाव, घरेलू उपकरणों से बचाव राफ्ट बनाना, कंबल, चादर से स्ट्रेचर बनाना, सीपीआर देना, घायलों को प्राथमिक उपचार देना, सांप के काटने पर त्वरित कार्यवाही और सावधानियां तथा ड्राई रेस्क्यू , वज्रपात के दौरान की जाने वाली कार्यवाही के बारे में जानकारी दी गई।

मोबाइल ऐप की जानकारी दी

आमजनों को सचेत, मोबाइल ऐप की भी जानकारी दी गई व उन्हें डाउनलोड कराया गया। कार्यक्रम के दौरान सरपंच, सचिव, सहायक सचिव, कोटवार एवं ग्रामीण जन मौजूद रहे। शिविर में बारिश के दौरान जलमग्न स्थानों को पार ना करने की शपथ भी दिलाई गई। गांव के सरपंच से अनुरोध किया गया कि बाढ़ के दौरान रपटे और पुलियों को बैरीकेट्स से कवर किया जाए, ताकि किसी भु प्रकार की कोई जनहानि ना होने पाए। मौकापरस्त पर 05 ग्रामीण नागरिकों को सचेत एप डाउनलोड भी कराया गया।

सूचना के अधिकार की जिम्मेदार उड़ा रहे धज्जियां

भ्रष्टाचार की पोल खुलने के डर से पूर्व प्रभारी प्राचार्य ने पत्र लेने से किया मना

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

शिक्षा विभाग में चल रही है मनमानी,महिनों गुज़रने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं,लेटर का खेल जारी। वर्तमान समय में शिक्षा विभाग में इतना भ्रष्टाचार हो रहा है कि क्या कहने जब इसी बात की सत्यता जानने के लिए ग्राम कस्बताल के शास्कीय हाई स्कूल से सूचना के अधिकार के तहत जानकारी मांगी गई है जिससे पता चल सके कि शासन द्वारा स्कूलों को प्रदाय की जाने वाली राशि की कहां और किस कार्य में इस्तेमाल किया जा रहा है इसी संबंध में एक आवेदन पत्र के माध्यम से जानकारी दिनांक 25/4/25 को मांगी गई तो पूर्व प्रभारी प्राचार्य द्वारा उक्त जानकारी को देने से मना कर दिया गया जिससे कि प्रतीत होता है कि शासन द्वारा स्कूलों को जो राशि प्रदाय की गई है उसका दुरुपयोग किया गया है पूर्व प्रभारी प्राचार्य के हौसले इतने बुलंद है कि सूचना के अधिकार अधिनियम 2005 तक की अवहेलना कर दी गई जिसके कारण आवेदक द्वारा प्रथम अपील ज़िला शिक्षा अधिकारी को लिखित रूप से की गई है एवं जानकारी प्राप्त न होने की दिशा में राज्य सूचना आयोग

जाने का मन बना लिया है अब देखना है कि पूर्व प्रभारी प्राचार्य जगदीश साहू ज़िला शिक्षा अधिकारी के द्वारा चाही गई जानकारी उपलब्ध कराते हैं या उनके आदेश की भी अवहेलना पूर्व की तरह करते रहेंगे आखिर क्यों शासन ऐसे कर्मचारियों के खिलाफ कोई ठोस कदम नहीं उठाता है। ग्रामीण जनों का कहना है कि पूर्व प्राचार्य जगदीश साहू को राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है और वरिष्ठ अधिकारियों से सांठ-गांठ के कारण इन पर कोई कार्रवाई नहीं होती है।

सिनेमा चौराहे का नाला 2 महीने से पड़ा अधूरा बरसात में होगी आफत

सिरोंज। नगर पालिका परिषद के द्वारा आम जनता को सुविधा उपलब्ध कराने के लिए नालों का निर्माण कार्य प्रारंभ किया था पर अधूरे पड़े नाले आम जनता के लिए मुसीबत का कारण बन गए हैं । नगर पालिका परिषद के जिम्मेदारियां के द्वारा ठेकेदारों से इन कामों को तेज गति से नहीं करवाया जा रहा है बरसात सरकारी खड़ी हुई है और नालों का काम अधर में लटका हुआ है जो सभी के लिए मुसीबत का कारण बनेगा दूसरी ओर सिनेमा चौराहे पर थोड़े से नाला बना है वह काम भी 2 महीने से लटका हुआ है। नाला बनाने वाले ठेकेदार ने खुदाई करके काम बंद कर दिया था । पानी गिरने के बाद इसको बनाने की याद आई है बारिश का दौर प्रारंभ हो गया जिस दिन तेज बारिश होगी उस दिन लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा इनके घरों में पानी भी भर जाएगा। मुख्य बाजार के सिनेमा चौराहे पर नाला बनाने के लिए 2 महीने से मार्ग को बंद कर दिया है खुदाई करके छोड़ दिया है काम के नाम पर खाना पूर्ति की जा रही इस वजह से बरसात का दौर प्रारंभ होते ही यहां के रहवासियों की चिंताएं जरूर बढ़ गई है । जैसे ही झमाझम बारिश का दौर प्रारंभ हुआ उसी दिन इन लोगों रात भर परेशान होना पड़ेगा।

मेट्रो एंकर परिवहन और यातायात पुलिस ने यात्री और स्कूल वाहनों की जांच की

7 वाहन नियम विरुद्ध चलते मिले, 3 वाहनों से शमन शुल्क वसूला, 4 वाहन जप्त किए

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

विदिशा कलेक्टर अंशुल गुप्ता के द्वारा यात्री वाहनों तथा स्कूल वाहनों के विरुद्ध चेकिंग अभियान चलाए जाने के लिए दिए गए निर्देशों के अनुपालन में आज शुक्रवार को जिला परिवहन अधिकारी गिरजेश वर्णा ने विदिशा में वाहनों की जांच कार्यवाही की।

इस कार्यवाही में परिवहन विभाग के स्टॉफ के साथ यातायात पुलिस थाना प्रभारी आशीष राय एवं स्टाफ मौजूद रहा। इस दौरान 07 वाहन नियम विरुद्ध चलते पाए जाने के कारण उनके विरुद्ध चालानी कार्यवाही की जाकर उनमें से 03 वाहनों से शमन शुल्क 16500 रुपये वसूल किया गया है तथा शेष अन्य 04 वाहन प्रकरण निराकरण की प्रत्याशा में जप्त कर जिला परिवहन कार्यालय परिसर में सुरक्षार्थ रखे गए हैं। जिला परिवहन अधिकारी गिरदेश वर्मा ने बताया कि इस कार्रवाई के दौरान एक यात्री बस की फिटनेस की स्थिति सही नहीं पाई जाने तथा बस में अग्नि शमन यंत्र ना पाए जाने के कारण बस का फिटनेस प्रमाण पत्र निरस्त किया गया है। इसके अतिरिक्त बेतवांचल कॉलेज, अटारी खेजड़ा में जाकर उनके परिसर में खड़ी स्कूल बसों की जांच भी की गई।

उक्त कार्रवाई के दौरान विशेष रूप से यात्री वाहनों, स्कूल बसों तथा स्कूल के बच्चों का परिवहन करने वाले ऑटो रिक्शा की जांच की गई। निर्देशों के अनुपालन में यात्री वाहन चेकिंग की कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

भारत और इंग्लैंड के बीच एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी का आगाज, टीम इंडिया 2.0 का कमाल...

पहले दिन शुभमन-यशस्वी-पंत की आंधी महसूस नहीं हुई रोहित-कोहली की कमी!

लीड्स, एजेंसी

भारत और इंग्लैंड के बीच एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी का आगाज हो चुका है। लीड्स टेस्ट के पहले दिन (20 जून) भारत का धमाकेदार प्रदर्शन रहा। रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविचंद्रन अश्विन के संन्यास के बाद यह भारतीय टीम के लिए पहली सीरीज है। ऐसे में शुक्रवार से शुरू हुए लीड्स टेस्ट के पहले दिन यह सबसे बड़ी शंका थी कि क्या ये नई टीम इंडिया (टीम इंडिया 2.0) इंग्लैंड के गेंदबाजों को जवाब दे पाएगी। लेकिन नई भारतीय टीम के नई तिकड़ी यशस्वी जायसवाल (101), शुभमन गिल (127 नाबाद), ऋषभ पंत (65 नाबाद) ने पहले दिन ऐसे खेल दिखाया कि लगा नहीं कि रोहित-कोहली के संन्यास का असर इस टीम पर है। वैसे पंत और गिल अगर इसी लय में लीड्स में शनि?वार (21 जून) को टिके रहे, तो भारत एक बड़े स्कोर की ओर बढ़ेगा और इंग्लैंड के लिए मैच की राह मुश्किल हो सकती है।

इस मुकाबले की शुरुआत में जब अंग्रेज कप्तान बेन स्टोक्स ने टॉस जीता तो भारतीय कैम्प में मायूसी छा गई। नए कप्तान शुभमन गिल उदास नजर आए, क्योंकि वो भी पहले टॉस जीतकर गेंदबाजी ही करना चाहते थे। क्योंकि यहां खेले गए आखिरी छह टेस्ट मैचों में जिस टीम ने पहले गेंदबाजी की, वो जीती है। वहीं पिछले चार बार चौथी पारी में बड़े टारगेट भी सफलतापूर्वक चेज भी हुए हैं। जो 322, 359, 296 और 251 रन रहे। लेकिन भारतीय टीम ने पहले दिन पुराने सारे समीकरणों को धता साबित करते हुए इंग्लैंड के खिलाफ ऐसा खेल दिखाया कि फैन्स भी झूम उठे। खास बात यह भी रहीं कि भारतीय टीम का रन रेट भी पहले दिन 4.22 का रहा। 85 ओवर में भारतीय टीम ने 322 रन बना दिए। यशस्वी जायसवाल ने एक और शतक जड़ दिया, अब इंग्लैंड के खिलाफ उनका शानदार रिकॉर्ड और मजबूत हो गया है। वहीं कप्तान शुभमन गिल ने भी कप्तानी की शुरुआत शतक से की, और दिखा दिया कि वो जिम्मेदारी निभाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

जायसवाल ने शतक पर क्या कहा?

यशस्वी जायसवाल ने अपने शतक और पहले दिन के खेल के बारे में बात की। उन्होंने कहा- सबने बहुत अच्छा खेला, मैदान पर उतरकर यहां की गर्मी का मजा लिया। हाल के अभ्यास मैचों और सेशन्स ने काफी मदद की। मेरी कोशिश थी कि अगर ढीली गेंद मिले तो उस पर रन बनाऊं। गिल ने बहुत शांत और समझदारी से बैटिंग की। मैं खुद पर भरोसा रखता हूं और हमेशा अच्छा करने की चाह रखता हूं। हां, गेंद स्विंग कर रही थी, लेकिन मैंने अपने प्रोसेस पर ध्यान दिया बस गेंद को ध्यान से देखो और खेलो और हर पल का आनंद लिया।

लीड्स टेस्ट के लिए इंग्लैंड की प्लेइंग-11- जैक क्राउली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, बेन स्टोक्स (कप्तान), जेमी स्मिथ (विकेटकीपर), क्रिस वोक्स, ब्रायडन कार्स, जोश टंग, शोएब बशीर।

लीड्स टेस्ट के लिए भारत की प्लेइंग 11- केएल राहुल, यशस्वी जायसवाल, साई सुदर्शन, शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (उप-कप्तान/विकेटकीपर), करुण नायर, रवींद्र जडेजा, शार्दुल ठाकुर, मोहम्मद सिराज, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा।

भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज का शेड्यूल

पहला टेस्ट- 20-24 जून, हेडिंग्ले (लीड्स)
दूसरा टेस्ट-2-6 जुलाई, एजबेस्टन (बर्मिंघम)
तीसरा टेस्ट-10-14 जुलाई, लॉर्ड्स (लंदन)
चौथा टेस्ट- 23-27 जुलाई, ओल्ड ट्रैफर्ड (मैनचेस्टर)
पांचवां टेस्ट- 31 जुलाई-4 अगस्त, द ओवल (लंदन)

हाले ओपन टूर्नामेंट में उलटफेर

वर्ल्ड नंबर-1 सिनर को 45वीं रैंक एलेक्जेंडर बब्लिक ने हराया

दिल्ली, एजेंसी

कजाखस्तान के एलेक्जेंडर बब्लिक ने हाले ग्रास टूर्नामेंट में एक बड़ा उलटफेर करते हुए मौजूदा चैंपियन जैनिक सिनर को हरा दिया। वर्ल्ड के नंबर-1 खिलाड़ी सिनर को 45वीं रैंकिंग वाले बब्लिक ने 6-3, 3-6, 6-4 से मात दी। समर 2023 के बाद यह पहला मौका है जब सिनर को टॉप-20 से बाहर के किसी खिलाड़ी ने हराया है।

सिनर ने फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में बब्लिक को केवल छह गेम में हराया था, लेकिन इस बार बब्लिक ने शानदार प्रदर्शन किया। अब तक दोनों 6 बार एक-दूसरे का आमना-सामना कर चुके हैं। बब्लिक ने कहा, %हम टेनिस खिलाड़ी हर मैच जीतने की कोशिश करते हैं, लेकिन यह जीत खास है। मैंने पहली बार नंबर एक खिलाड़ी को हराया।%

बब्लिक अब क्वार्टर फाइनल में चेक गणराज्य के टॉमस मचाक से भिड़ेंगे, जिन्होंने हंगरी के फैबियन मारोजसान को 6-2, 6-3 से हराया।

एलेक्जेंडर ज्वेरेव क्वार्टर फाइनल में पहुंचे वर्ल्ड नंबर-3 एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने इटली के लोरेंजो सोनेगो को तीन सेटों में 3-6, 6-4, 7-6 (7/2) से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। ज्वेरेव ने सोनेगो के खिलाफ अपनी पांचवीं जीत हासिल की। पहला सेट हारने के बाद ज्वेरेव ने दूसरे सेट में वापसी की और तीसरे सेट के टाईब्रेक में दबदबा बनाया। अब उनका मुकाबला इटली के फ्लावियो कोबोली से होगा।

एक अन्य मैच में, अर्जेंटीना के 63वें रैंक के टॉमस मार्टिन एचेवेरी ने चौथी वरीयता प्राप्त आंद्रे रुबलेव को तीन घंटे के कड़े मुकाबले में 6-3, 6-7 (4/7), 7-6 (8/6) से हराया। एचेवेरी ने अंतिम सेट के टाईब्रेक में दो मैच पॉइंट बचाए और अब क्वार्टर फाइनल में रूस के करेन खाचानोव से खेलेंगे।

विश्वकप फुटबॉल स्पर्धा: बोटाफोगो ने यूरोपीय चैंपियन पीएसजी को हराया

पासाडेना। बोटाफोगो ने क्लब विश्व कप फुटबॉल प्रतियोगिता के अपने दूसरे मैच में चैम्पियंस लीग विजेता पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) को 1-0 से हराकर उलटफेर किया। पीएसजी की टीम पहली बार चैंपियंस लीग का चैंपियन बनने के बाद उत्साह से भरी थी और उसने क्लब विश्व कप के अपने पहले मैच में यूरोपीय प्रतिद्वंदी एटलेटिको मैड्रिड को 4-0 से पराजित करके अपने अभियान का शानदार आगाज किया था। लेकिन गुरुवार की रात को खेले गए मैच में दक्षिण अमेरिकी चैंपियन बोटाफोगो के सामने उसकी एक नहीं चली। बोटाफोगो की तरफ से इगोर जीसस ने 36वें मिनट में गोल किया जो आखिर में निर्णायक साबित हुआ। पीएसजी ने इस तरह से तीन मई के बाद पहली बार किसी मैच में हार का स्वाद चखा। यही नहीं पीएसजी ने 17 मई के बाद पहली बार किसी मैच में गोल खाया। बोटाफोगो

की टूर्नामेंट में यह लगातार दूसरी जीत है जिससे वह ग्रुप में शीर्ष स्थान पर पहुंच गया।

सात गोल्ड का मौका छूटा, पांच फाइनल में हारे भारतीय तीरंदाज

सिर्फ 9 पदकों के साथ करना पड़ा संतोष

सिंगापुर। भारत के जूनियर तीरंदाजों के पास एशिया कप के दूसरे चरण में सात स्वर्ण पदक जीतने का मौका था लेकिन पांच फाइनल में हारने के कारण उन्हें अधिकतर स्पर्धा में रजत पदक से संतोष करना पड़ा। इस तरह से भारत ने प्रतियोगिता में दो स्वर्ण, छह रजत और एक कांस्य सहित कुल नौ पदक जीतकर अपने अभियान का अंत किया। रिकर्व और कम्पाउंड स्पर्धाओं के 10 में से सात फाइनल में पहुंचने के बावजूद भारतीय तीरंदाज केवल दो बार पोडियम पर शीर्ष पर रहे।

भारतीय खिलाड़ी जिस तरह से अपने से कम रैंकिंग वाले खिलाड़ियों से हारे वह वास्तव में चिंताजनक है। हमेशा की तरह ओलंपिक स्पर्धा के रिकर्व वर्ग में नतीजे विशेष रूप से चिंताजनक रहे

जिसमें भारत एक भी स्वर्ण जीतने में असफल रहा। असल में टीम स्पर्धाओं में दो रजत पदकों के अलावा रिकर्व तीरंदाज खाली हाथ लौटे। क्वालिफिकेशन राउंड के बाद शीर्ष वरीयता प्राप्त पुरुष टीम फाइनल में जापान के खिलाफ आसानी से हार गई। विष्णु चौधरी, पारस हुड्डा और जुयेल सरकार तीन में से दो सेटों में 50 का आंकड़ा छूने में असफल रहे और सीधे सेटों में 6-0 से हार गए। रिकर्व मिश्रित टीम फाइनल में भी यही कहानी रही। चौधरी और वैष्णवी पवार की चौथी वरीयता प्राप्त टीम इंडोनेशिया के खिलाफ पूरे मुकाबले में गलतियां करती रही। यदि रिकर्व वर्ग के परिणाम निराशाजनक थे, तो कम्पाउंड वर्ग ने कुछ राहत प्रदान की। भारत ने अपने दोनों स्वर्ण पदक इस वर्ग में जीते। शीर्ष वरीयता प्राप्त कुशल दलाल ने पुरुष व्यक्तिगत फाइनल में 22वीं वरीयता प्राप्त ऑस्ट्रेलिया के जोशुआ मैनन को 149-143 से हराकर अपनी प्रतिष्ठा को सही साबित किया। भारत को इस स्पर्धा में कांस्य पदक भी मिला, जिसमें 10वें वरीय सचिन चेची ने चौथे वरीय हिमू बछाड़ को कड़े मुकाबले में 148-146 से हराया।

मनोरंजन

बॉलीवुड का कोना

शानदार कमाई के रिकॉर्ड बना चुके हैं आमिर खान, सितारे जमीन पर भी करेगी कमाल?

बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान एक बार फिर से रंग में लौट चुके हैं। उनकी नई फिल्म सितारे जमीन पर रिलीज हो चुकी है और इसे बहुत पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिल रहा है। फिल्म के टीजर-ट्रेलर को तो जनता से शानदार रिस्पॉन्स मिला ही था, साथ ही आमिर का जमकर फिल्म प्रमोट करना भी इसके काम आ रहा है। 2018 में आमिर की फिल्म ठग्स ऑफ हिंदोस्तान बुरी तरह फ्लॉप हुई थी और इसके बाद उनकी अगली फिल्म लाल सिंह चड्ढा सीधा लॉकडाउन के बाद आई। मगर ये फिल्म भी बॉक्स ऑफिस पर कोई कमाल नहीं कर पाई और इसके बाद एक वक्त तो आमिर एक्टिंग से ही दूर होने के मूड में नजर आ रहे थे। इस बीच उन्होंने सितारे जमीन पर चुनी और इस फिल्म के लिए उनका जमकर इंटरव्यूज और प्रमोशन करते नजर आना फिल्म लवर्स के लिए एक खुशनुमा नजारा है। आमिर हमेशा से अपनी फिल्मों के बीच बहुत गैप रखने के लिए जाने जाते हैं। मगर इस गैप के बावजूद एक वक्त ऐसा भी रहा है जब उन्होंने बैक टू बैक बड़ी-बड़ी ब्लॉकबस्टर डिलीवर की हैं। हालांकि, सितारे जमीन पर का मामला अलग है। इस फिल्म से पहले आमिर बैक टू बैक दो बड़ी फ्लॉप फिल्में दे चुके हैं। उनकी आखिरी बड़ी हिट दंगल (2016) को रिलीज हुए ऑलमोस्ट एक दशक बीत चुका है। इस बीच सोशल मीडिया पर उनके खिलाफ गैर-जरूरी विवाद और नेगेटिव कैम्पेन भी चले। इसलिए लॉकडाउन के बाद वाले सालों में उनका भौकाल थोड़ा फीका जरूर पड़ा है।

मेट्रो बाजार

महंगा हो सकता है थर्ड पार्टी मोटर इंश्योरेंस!

नई दिल्ली। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय जल्द ही थर्ड पार्टी मोटर बीमा प्रीमियम दरों में बदलाव कर सकता है। सूत्रों के मुताबिक, औसतन 10त्न तक की बढ़ोतरी की संभावना है, हालांकि कुछ खास श्रेणियों जैसे कमर्शियल वाहनों पर यह वृद्धि अधिक हो सकती है। वहीं स्कूल बसों जैसे सामाजिक सेवा वाहनों पर वृद्धि कम या बिल्कुल नहीं हो सकती। बीमा कंपनियों ने केंद्र सरकार और बीमा नियामक इरडा को पत्र लिखकर अप्रैल 2025 से 5-15त्न तक प्रीमियम बढ़ाने की मांग की है। कंपनियों का कहना है कि

अदालती फैसलों, तत्काल दावों के भुगतान और महामारी के दौरान दावों के गलत चक्र के कारण दबाव बढ़ रहा है। एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, थर्ड पार्टी सेगमेंट में लगातार वित्तीय नुकसान हो रहा है और अब बड़ी वृद्धि की जरूरत है।

थर्ड पार्टी बीमा- कानूनी रूप से अनिवार्य- थर्ड पार्टी बीमा मोटर वाहन अधिनियम के तहत अनिवार्य है। इसका प्रीमियम हर साल पिछले दावों के आंकड़ों के आधार पर तय किया जाता है। दर तय करने की प्रक्रिया में मंत्रालय कफऊअक के साथ परामर्श करता है।

बजट के कारण रुका वेल्कम टू द जंगल का शूट? डायरेक्टर अहमद खान ने बताया सच

बॉलीवुड की कल्ट कॉमेडी फिल्मों की जब बात की जाती है, तो फिल्मी लवर्स को 2000 का दशक याद आ जाता है। उन 10 सालों में हिंदी सिनेमा की तरफ से कई बेहतरीन कॉमेडी फिल्में रिलीज हुईं, जिनके बाद में सीक्वल भी बनाए गए। हेरा फेरी और वेल्कम वो फिल्मे हैं जिनके पहले सीक्वल बन चुके हैं। अब इनके तीसरे पार्ट भी बनने हैं, लेकिन कुछ कारणों के चलते इनकी मेकिंग में रुकावट आ रही है।

हेरा फेरी 3 से जहां परेश रावल ने बाहर निकलने का फैसला किया है, वहीं वेल्कम टू द जंगल अच्छी खासी शूट होने के बाद अचानक रुक गई है। कई रिपोर्ट्स ऐसी थीं कि फिल्म की शूटिंग बजट के चलते रुक गई है। ऐसा कहा गया कि फिल्म में काम कर रहे एक्टर्स को उनकी फीस नहीं मिली, इसलिए वो फिल्म छोड़कर चले गए। अब डायरेक्टर अहमद खान ने खुद फिल्म के शूट से जुड़ा

एक बड़ा अपडेट शेयर किया है। बातचीत में अहमद खान ने कंफर्म किया कि फिल्म का शूट बजट के चलते नहीं रुका है। डायरेक्टर ने कहा, हमने पहले ही फिल्म के दो लंबे शेड्यूल शूट कर लिए हैं। हम जून के महीने में इसका तीसरा शेड्यूल कश्मीर में शुरू करने वाले थे जो एक काफी लंबा शूट होता।

पहलगाम आतंकी हमले के कारण रुका फिल्म का शूट

अहमद खान ने आगे बताया कि फिल्म के मेकर्स कश्मीर के बाद अब नए शूटिंग लोकेशन्स की तलाश कर रहे हैं। अब हम कश्मीर की ही तरह किसी और जगह जाकर शूट करेंगे। हम शायद हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में फिल्म शूट कर सकते हैं। लेकिन अब वापस कश्मीर जाना आसान नहीं होगा। अब हमें शुरू से अगले लोकेशन पर जाकर पूरा शेड्यूल प्लान करना पड़ेगा। साथ ही 36 एक्टर्स की डेट्स के साथ मैनेज करना और उन्हें एकसाथ शूट पर लाना एक आसान काम नहीं है। हम सभी इसपर काम कर रहे हैं। जहां तक बात रही आर्थिक परेशानी या एक्टर्स को फीस ना मिलने की, तो मुझे इसका कोई आइडिया नहीं। ये सारे मुद्दे हमारी फिल्म के प्रोड्यूसर फिरोज नाडियाडवाला संभालते हैं। फिल्म वेल्कम टू द जंगल की अनाउंसमेंट आज से करीब 2 साल पहले हुई थी। मेकर्स ने इसका एक शानदार वीडियो शेयर किया जिसमें करीब 25 स्टार एक्टर्स शामिल थे। फिल्म की रिलीज डेट भी क्रिसमस 2025 बताई गई। हालांकि फिल्म की कास्ट में नाना पाटेकर और अनिल कपूर नजर नहीं आए थे जिससे फैंस निराश हो गए थे। अब क्या वेल्कम टू द जंगल फैंस को इंप्रेस करने में कामयाब होगी।

पश्चिम एशिया संघर्ष का भारतीय कंपनियों पर प्रभाव फिलहाल सीमित

कोलकाता । साख तय करने वाली एजेंसी क्रिसिल रेटिंग्स ने कहा है कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष का फिलहाल भारतीय कंपनियों के वैश्विक व्यापार पर कोई खास असर नहीं पड़ा है। क्रिसिल की रिपोर्ट के अनुसार, हालांकि अगर अनिश्चितताएं बढ़ती हैं, तो कुछ क्षेत्रों पर इसका असर पड़ सकता है। अनिश्चितताओं ने वैश्विक कच्चे तेल के बाजारों को प्रभावित किया है। पिछले एक सप्ताह में ब्रेंट क्रूड 73 से 76 डॉलर प्रति बैरल के दायरे में रहा है। अप्रैल और मई के दौरान, ब्रेंट क्रूड 65 डॉलर प्रति बैरल के आसपास बना हुआ था।

रिपोर्ट में कहा गया है कि तनाव बढ़ने से कच्चे तेल की कीमतों में और उछाल आ सकता है। इससे तेल उत्पादक कंपनियों को फायदा होगा और रिफाइनरी कंपनियों के मार्जिन में कमी आएगी।

क्रिसिल ने कहा कि संघर्ष में शामिल दो देशों

इजराइल और ईरान के साथ भारत का सीधा व्यापार कुल व्यापार का एक प्रतिशत से भी कम है। ईरान को भारत का मुख्य निर्यात बासमती चावल है, जबकि इजराइल के साथ व्यापार अधिक विविधतापूर्ण है।

पश्चिम एशिया में अनिश्चितताओं के बढ़ने से ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान आने की संभावना है। विशेष रसायन, पेंट, विमानन और टायर जैसे कुछ अन्य क्षेत्र इसका प्रभाव महसूस कर सकते हैं।

बागसेवनिया थाना क्षेत्र का मामला

पत्नी-बेटी संग बस में सफर के दौरान पर्स छीनकर भागा बदमाश

सात फीट ऊंचाई दीवार फांदकर रेलवे ट्रैक की तरफ भागा

पुलिस ने कहा कि पर्स गुम होने की दर्ज कराओ शिकायत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बागसेवनिया थाना क्षेत्र स्थित पुराना हबीबगंज नाका के पास सिटी बस में सफर कर रहे युवक के हाथ से बदमाश ने पर्स झपट लिया। पर्स में दो हजार रुपए की नगदी सहित दस्तावेज थे। पर्स झपटने की शिकायत लेकर बागसेवनिया थाने पहुंचे फरियादी से पुलिस ने पर्स गुम होने की शिकायत लिखने की बात कही। फरियादी ने उन्हें कहा कि मेरा पर्स हाथ से झपटकर बदमाश ले गया है तो थाने में उनसे झपटमारी के सबूत मांगे गए।

हालांकि बाद में जब समाजसेवी ने थाना प्रभारी से एफआईआर लिखने की गुजारिश की तो झपटमारी का प्रकरण दर्ज किया गया।

जानकारी के अनुसार लहारपुर एलआईजी वन में रहने वाले दिनेश डोंगरे मूलत- बैतूल के पास एक गांव के रहने वाले हैं। वे लहारपुर में परिवार के साथ रहते हैं और बिजली फिटिंग का काम करते हैं।

उन्होंने बताया कि वे बैतूल अपने गांव पत्नी और बेटी के साथ गए थे। वहां से शुक्रवार शाम पाताल कोट एक्सप्रेस से रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पर उतरे। सड़क पर सांची दुग्ध संघ की तरफ उतरने के बाद परिवार एसआरटू बस का इंतजार करने लगा। शाम करीब पांच बजे बस आकर रुकी और परिवार बस में सवार हुआ।

टिकट का पैसे देते समय झपटा पर्स

दिनेश डोंगरे ने बताया कि बस पुराना हबीबगंज नाका तक पहुंची थी। आगे स्टॉप होने के कारण बस की रफ्तार धीमी थी। कंडक्टर सामने खड़ा था। उन्होंने कंडक्टर को किराया देने के लिए जेब से पर्स निकाला, तभी पीछे खड़े बदमाश ने उनके हाथ से पर्स झपट लिया और चलती बस से कूदकर पीछे की तरफ भागने लगा।

दिनेश डोंगरे भी उसके पीछे भागे और पकड़ने का प्रयास किया, लेकिन बदमाश डिवाइडर पार करते हुए रेलवे की बाउंड्री कूदकर ट्रैक की तरफ भाग निकला। उन्होंने दीवार के पास देखा तो वहां उसके अन्य साथी और महिलाएं खड़ी की थी।

थाने में मांगा सबूत

दिनेश डोंगरे ने बताया कि वह घर पहुंचे और बाइक लेकर सीधे थाने गए। वहां पुलिस ने उनसे कहा कि जो कहा जा रहा है वह लिखा दो। इसके बाद उन्हें कहा गया कि पर्स गुम होने का लिखाओ। इधर, दिनेश डोंगरे ने कहा कि पर्स गुम नहीं हुआ है तो थाने में कहने लगे कि फिर झपटमारी का सबूत लाकर दो। दिनेश डोंगरे ने कहा कि बस के कंडक्टर का नंबर है। उससे झपटमारी के बारे में पूछ लो। इसके बाद भी पुलिस झपटमारी की शिकायत दर्ज नहीं कर रही थी। इसी बीच दिनेश डोंगरे ने मोहल्ले में रहने वाले समाजसेवी से बात की। समाज सेवी ने थाना प्रभारी से बात की तब जाकर झपटमारी की शिकायत दर्ज की गई।

ऑटो में सफर के दौरान बुजुर्ग महिला की चेन चोरी

भोपाल। कोहेफिजा थाना क्षेत्र में सवारी ऑटो में सफर कर रही 75 साल की बुजुर्ग महिला के गले से सोने की चेन चोरी हो गई। जिस ऑटो में वह सफर कर रही थी उस ऑटो में दो अन्य महिलाएं सवार हुई थी। संदेह है कि इन्हीं महिलाओं ने बुजुर्ग के गले से चेन चोरी की है। पुलिस के अनुसार 45 साल की गीता प्रजापति, दाता कॉलोनी कोहेफिजा में रहती है और गृहिणी है। शुक्रवार दोपहर वह अपनी 75 साल की सास के साथ पीरगेट पहुंची। पीरगेट पर सास बहू ने खरीदारी की और अपने घर दाता कॉलोनी जाने के लिए सवारी आटो में सवार हुए। पास बैठी दो महिलाओं पर संदेह आटो लालघाटी तक पहुंचा, तभी दो अन्य महिलाएं ऑटो में बैठी। गीता प्रजापति ने बताया कि वह ऑटो में अंदर की तरफ बैठी थी जबकि बाहर की तरफ उनकी सास बैठी थी। दाता कॉलोनी आने पर वह सास को लेकर उतर गई और घर पहुंच गई।

शराब तस्कर गिरफ्तार 7 पेटी देशी शराब जब्त

भोपाल। बैरसिया पुलिस ने शराब तस्कर को गिरफ्तार कर उसके पास से सात पेटी अवैध शराब जब्त की है। आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट की धाराओं में कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार मुखबिर से सूचना मिली कि सिरोंज रोड कचरा खंती के पास एक व्यक्ति बाइक पर शराब की बोरियां लेकर खड़ा है। सूचना के बाद हरकत में आई में पुलिस ने इलाके की घेराबंदी करते हुए संदिग्ध को हिरासत में लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम पंचमसिंह राजपूत (30) ग्राम नरेला, दामोदर बताया। आरोपी की तलाशी लेने पर बाइक पर रखी बोरी में 7 पेटी शराब मिली। जब्त शराब 63 लीटर है। बाइक और शराब की कीमत 1 लाख 9 हजार रुपए बताई जा रही है।

महिला को कुचलने वाला कंटेनर जब्त

भोपाल। मिसरोद इलाके में महिला को कुचलने वाले कंटेनर को पुलिस ने जब्त कर चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार कृष्णाबाई लोधी पत्नी पूरन सिंह लोधी (55) ग्राम मडिया जामन, थाना हैदरगढ़ जिला विदिशा की रहने वाली थी। शुक्रवार को वह अपने बेटे जितेंद्र लोधी के साथ बाइक से मंडीदीप से भोपाल की तरफ जा रही थी। उनके पीछे भतीजा सचेंद्र लोधी अपनी पत्नी के साथ भोपाल आ रहा था। शाम करीब चार बजे कृष्णाबाई होशंगाबाद रोड स्थित प्रकाश होटल के पास पहुंची, तभी पीछे से आ रहे तेज रफ्तार कंटेनर ने जितेंद्र की बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही जितेंद्र उछलकर बायीं तरफ जाकर गिरा, जबकि कृष्णाबाई सड़क पर जाकर गिरी। इसी दौरान कंटेनर ने कृष्णाबाई को कुचल दिया, जिससे उनकी घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई।

समरधा में कंटेनर ने बाइक सवार महिला को कुचला, मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मां की मौत, बेटा घायल, कंटेनर छोड़कर भागा ड्राइवर, पुलिस ने जब्त किया

मिसरोद थाना क्षेत्र स्थित समरधा के पास शुक्रवार दोपहर कंटेनर ने बाइक सवार मां-बेटे की बाइक को टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक पर पीछे बैठी मां उछलकर सड़क पर गिरी थी। सड़क पर गिरते ही कंटेनर उन्हें कुचलता हुआ आगे बढ़ गया। हादसे में उनकी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बेटे को मामूली चोट है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए भेज दिया है। पुलिस कंटेनर जब्त कर आरोपी चालक की तलाश कर रही है। पुलिस के अनुसार कृष्णा बाई लोधी पति पूरन सिंह लोधी (55) गांव उधर कोटरा, जिला विदिशा में रहती थी। शुक्रवार दोपहर कृष्णा बाई अपने बेटे जितेंद्र लोधी के साथ बाइक से भोपाल आ रही थी। दोपहर करीब साढ़े 3 बजे के आसपास मां-बेटा प्रकाश होटल के सामने समरधा पहुंचे ही थे कि पीछे से आ रहे कंटेनर के चालक ने तेजी और लापरवाही से कंटेनर चलाते हुए जितेंद्र की बाइक को टक्कर मार दी। पीछे से टक्कर लगने के कारण जितेंद्र और कृष्णा बाई सड़क पर गिर गए। जितेंद्र सड़क पर बांई ओर गिरा था, जबकि दाहिनी तरफ मां कृष्णा बाई गिरी थी। दाहिनी तरफ गिरने के कारण कंटेनर का पहिया कृष्णाबाई के शरीर से होता हुआ निकल गया। इस हादसे में उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

हादसे के समय जितेंद्र की बाइक से कुछ दूरी पर मौसेरे भाई सचेंद्र लोधी की बाइक थी। हादसा सचेंद्र और उसकी पत्नी के सामने हादसा हुआ। सचेंद्र ने बताया कि वह मंडीदीप की दावत फैक्ट्री में गार्ड की नौकरी करता है। मौसी कृष्णा बाई दो दिन पहले ही मंडीदीप आई थी। शुक्रवार को उन्हें विदिशा लौटना था। उन्होंने कहा था कि भोपाल घुमा दो। सचेंद्र अपनी पत्नी के साथ भोपाल तक मौसी को छोड़ने आया था। भोपाल मौसी को घुमाने के बाद मौसी और जितेंद्र विदिशा चले जाते। मौसी और जितेंद्र दूसरी बाइक पर थे। मेरी और जितेंद्र की बाइक के बीच महज दस मीटर का फासला था। मेरी आंखों के सामने कंटेनर ने जितेंद्र की बाइक को टक्कर मारी और मौसी को कुचलता हुआ आगे बढ़ गया।

कथित प्रेमी की प्रताड़ना से दुखी होकर दी नाबालिग ने जान

पुलिस ने दर्ज किया आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला

भोपाल, दोपहर मेट्रो

छोला मंदिर थाना क्षेत्र स्थित सुंदर नगर में गत 3 जून मंगलवार 17 साल की किशोरी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। उक्त मामले पुलिस ने किशोरी के कथित प्रेमी पर आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया है। पुलिस की जांच में यह बात सामने आई कि आरोपी रिश्तेदार था और गत दो वर्षों से उसका नाबालिग से प्रेम प्रसंग चल रहा था।

आरोपी उसे प्रताड़ित कर रहाथा और शादी का दबाव बनाने पर मारपीट कर रहा था। इसी से दुखी होकर किशोरी ने फांसी लगा ली थी। पुलिस के अनुसार इलाके में रहने वाली 17 साल की किशोरी ने गत 3 जून मंगलवार दोपहर घर में फांसी लगा लीथी।

शाम को पिता ने उसकी लाश शाम को पहुंचने पर देखी। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया था, लेकिन सुसाइड नोट नहीं मिला। नाबालिग अपने पिता के साथ अकेली रहती थी,जबकि मां अलग रहती हैं। दसवीं कक्षा तक पढ़ाई करने के बाद नाबालिग तनीषा घर पर ही रहती थी। पुलिस ने नाबालिग के पास से मोबाइल जब्त किया था। साथ ही मर्ग जांच की तो पता चला कि ललितपुर यूपी निवासी उसका रिश्तेदार उसके मोहल्ले में रहता था और उसे प्रताड़ित कर रहाथा।

नए आपराधिक कानून के क्रियान्वयन पर राज्य स्तरीय कार्यशाला

भोपाल। भारत सरकार द्वारा लागू नवीन आपराधिक कानूनों –भारतीय न्याय संहिता, 2023 (भारतीय न्याय संहिता बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 (भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता), एवं भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023 (बीएसए) के प्रभावी क्रियान्वयन एवं आपराधिक न्याय प्रणाली के विभिन्न स्तंभों (पुलिस, न्यायपालिका, अभियोजन, कारागार, न्यायालय एवं फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला) के मध्य डिजिटल समन्वय को सुदृढ़ करने के लिए आईसीजीएस के अंतर्गत एक राज्य स्तरीय एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया है। आयोजन 22 जून को सुबह 10 बजे से कुशाभाऊ ठाकरे सभागार (मिंटो हॉल), में किया जा रहा है। कार्यशाला में एडीजी, सभी जोन के आईजी, एसपी तथा एडीशनल एसपी तथा विभिन्न जिलों के माननीय न्यायाधीश, मेडिकल आफिसर्स, अभियोजन, कारागार तथा फोरेंसिक साइंस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी सहभागिता करेंगे। इस कार्यशाला का उद्देश्य नवीन आपराधिक कानूनों की डिजिटल रूप से प्रभावी क्रियान्वयन रणनीतियों पर विमर्श करना एवं सभी स्तंभों के बीच समन्वय स्थापित करना है।

कार की टक्कर से बाइक सवार समेत तीन घायल

भोपाल। जहांगीराबाद इलाके में एक तेज रफ्तार कार की टक्कर से बाइक सवार युवक समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने टक्कर मारने वाले कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार अंकित साल्वे (21) मूलत- ग्राम चोपना थाना रानीपुर जिला बैतूल का रहने वाला है। फिलहाल वह कोलार थाने के पास किराए से रहता है और एक निजी कंपनी में सेल्समैन का काम करता है।

शुक्रवार की शाम वह अपनी मोटर सायकिल से अयोध्या नगर जाने के लिए निकला था। उसके साथ मामा की लड़की और एक अन्य युवती भी थी। शाम करीब सात बजे अंकित जैसे ही मेट्रो स्टेशन के पास सुभाष नगर फाटक जहांगीराबाद पहुंचा, वैसे ही पीछे से आ रही तेज रफ्तार कार ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे तीनों सड़क पर गिरकर घायल हो गए।

कलारी मैनेजर के साथ की अड़ीबाजी

भोपाल। अशोका गार्डन में एक कलारी मैनेजर के साथ अड़ीबाजी का मामला सामने आया है। पुलिस के मुताबिक गोविंदा अनुरानी (35) रिसालदार कालोनी छोला नाका पर रहते हैं और एकतापुरी स्थित कलारी में मैनेजर हैं। रात करीब सवा ग्यारह बजे वह कलारी में बैठे हुए थे, तभी सनी उर्फ हर्षित और उसका साथी अरुण पहुंचा। दोनों ने शराब पीने के लिए पांच सौ रुपए की मांग की। गोविंदा ने उन्हें पैसे देने से मना किया तो वह शराब का क्वार्टर फ्री में मांगने लगे। मैनेजर ने जब ऐसा करने से इंकार किया तो दोनों ने गाली-गलौज की और पत्थर उठाकर मारा जो कलारी की चद्दर में लगा। आवाज सुनकर आसपास के लोग पहुंचे तो दोनों मौके से भाग निकले। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अड़ीबाजी का मामला दर्ज कर लिया है।

इलेक्ट्रिक स्कूटर को बाइक चालक ने मारी टक्कर

भोपाल। कटारा हिल्स इलाके में एक तेज रफ्तार बाइक चालक ने इलेक्ट्रिक स्कूटर को टक्कर मार दी, जिससे स्कूटर सवार युवक घायल हो गया। जानकारी के अनुसार उज्जवल पटेल ग्राम बगरौदा में रहता है। सुबह करीब दस बजे वह अपनी इलेक्ट्रिक स्कूटर पर सवार होकर खेत पर जा रहा था। बगरौदा स्थित चौकीदार के घर के सामने पहुंचने पर तालाब की तरफ से आ रहे तेज रफ्तार मोटर सायकल के चालक ने उसकी स्कूटर को टक्कर मार दी। इस हादसे में उज्जवल स्कूटर समेत सीमेंट वाली रोड पर गिरकर घायल हो गया। पुलिस ने बाइक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

मेट्रो एंकर पिपलानी इलाके क्षेत्र का मामला

कोचिंग जा रहे बीटेक छात्र को इनोवा कार ने मारी टक्कर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

पिपलानी इलाके में कोचिंग जा रहे एक बीटेक छात्र को इनोवा कार ने टक्कर मारकर घायल कर दिया। पुलिस ने कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार जयंत ठाकरे (20) अवधपुरी में रहता है और निजी कालेज से बीटेक की पढ़ाई कर रहा है। शुक्रवार की शाम करीब सात बजे वह अपनी स्कूटर से इंद्रपुरी स्थित कोचिंग जा रहा था। पिपलानी स्थित गणेश मंदिर के सामने पहुंचने पर एक तेज रफ्तार इनोवा कार ने उसकी स्कूटर को टक्कर मार दी, जिससे वह घायल हो गया। जयंत के हाथ-पैर और शरीर में गंभीर चोट आई है। इधर पिपलानी जेके रोड पर एक तेज रफ्तार चार पहिया वाहन ने बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। चालक ने एक चौकीदार को भी टक्कर मार दी। पुलिस के मुताबिक हेमराज कुशवाह (45) लांबाखेड़ा थाना ईंटखेड़ी में रहता है और जेके रोड स्थित एक निजी कंपनी में काम करता है। शुक्रवार दोपहर करीब सवा एक बजे वह अपनी मोटर सायकिल से जेके रोड से निकल रहा था। इसी दौरान वह मलिक गोदाम के सामने पहुंचा, तभी एक चार पहिया वाहन के चालक ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया है।

ई रिक्शा मांगकर बदमाश हुआ फरार, अमानत में खयानत का मामला दर्ज

भोपाल। हनुमानगंज पुलिस ने ई रिक्शा चालक की शिकायत पर बदमाश के खिलाफ अमानत में खयानत का मामला दर्ज किया है। आरोप है कि बदमाश ने ई रिक्शा कुछ समय के लिए मांगा था और बाद में लौटाया नहीं। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार आदिल अली पिता इरशाद अली (25) सेठी नगर कालोनी, अशोका गार्डन में रहते हैं। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि गुरुवार शाम करीब 6 बजे वह अपनी बहन नाजरिन बी का ई रिक्शा मनोहर डेयरी के सामने लेकर खड़ा था।

पश्चिम मध्य रेल

ई–निविदा सूचना

खुली निविदा क्रमांक CRWS-BPL-ENGG-2025-26-02 भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु ई–निविदा अनुभवी ठेकेदारों/फर्म से आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नाम:** सीआरडब्ल्यूएस निशातपुरा क्लीनिंग ऑफ वाटर टैंक ऑफ सीआरडब्ल्यूएस फैक्टरी एंड सीआरडब्ल्यूएस कॉलोनी फोर द पीरीयड ऑफ (24 माह)। **कार्य की लागत :** रु. 11,88,228.60/–, **निविदा फार्म का मूल्य :** शून्य, **धरोहर राशि :** रु. 23,800/– **कार्य पूर्ण करने की अवधि :** 24 माह, **ऑनलाइन निविदा बंद होने का समय एवं दिनांक :** 11.07.2025 & 16.00 बजे **निविदा खुलने का समय एवं दिनांक:** 11.07.2025 को 16:00 बजे। निविदा तथा निविदा प्रारुप की विस्तृत जानकारी भारत सरकार की वेबसाइट https://www.ireps.gov.in एवं निविदा सूचना मुख्य कारखाना प्रबन्धक, सडिपुका/भोपाल कार्यालय के सूचना पटल पर उपलब्ध है।

(हस्ता)

मुख्य कारखाना प्रबन्धक

सडिपुका/निशातपुरा,भोपाल

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022